तापमान
अधिकतम 31.6 डिग्री
न्यूनतम 18.0 डिग्री

हरिभूमि
जीटी रोड भूमि

रोहतक, रविवार 25 अक्टूबर 2026

12 डेहा कॉलोनी में सर्च अभियान 52 दोपहिया वाहन किए इंपाउंड



12 100 मी रेस में बाजी मारकर शालिनी बनी बेस्ट एथलीट



खबर संक्षेप

चोरों ने तीन स्थानों से चुराया लाखों का सामान

यमुनानगर। जिले में मकान व दुकान समेत तीन स्थानों से चोरों ने नगदी समेत हजारों रुपये का सामान चोरी कर लिया। पुलिस ने अलग अलग स्थानों पर अज्ञात चोरों के खिलाफ मामले दर्ज कर जांच शुरू कर दी। मुसिंबल निवासी राजबीर ने बताया कि बीती रात चोरों ने उसके मकान में घुस कर 20 हजार रुपये की नगदी व करीब ढ़ाई लाख रुपये कीमत के चांदी के गहनें व अन्य सामान चोरी कर लिया। वहीं, जगाधरी निवासी हितेश गुप्ता ने बताया कि सुबह व दुकान पर पहुंचा तो उसकी दुकान से हजारों रुपये का सामान गायब मिला। रादौर क्षेत्र के गांव मसाना रांगड़ान में चोरों ने रविदास मंदिर को निशाना बनाया। शिकायतकर्ता चांद राम के अनुसार बीती रात किसी ने मंदिर का दानपत्र तोड़कर करीब 35 हजार रुपये चोरी कर लिए। घटना की शिकायत मिलने पर रादौर थाना पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

जानलेवा हमले के दो आरोपी चार दिन के रिमांड पर

पानीपत। पुलिस की सीआईए श्री टीम ने जानलेवा हमला करने दो आरोपियों अमन पुत्र रणधीर व सागर पुत्र सुरेश कुमार निवासी गांव बडेसरा जिला भिवानी को गिरफ्तार किया है। वहीं पुलिस ने आरोपियों को कोर्ट में पेश कर चार दिन के रिमांड पर लिया है। इस मामले में सुरेंद्र पुत्र रामफल निवासी निवासी कुराना जिला पानीपत की शिकायत पर थाना मतलौडा की उरलाना चौकी में केस दर्ज है।

पिस्टल सप्लाई करने वाला छह दिन के रिमांड पर

पानीपत। सीआईए श्री टीम ने मुख्य आरोपी विपुल पुत्र अरूण सिंह निवासी नजदीक मिट्टन दी हट्टी राजपूताना बाजार पानीपत को पिस्टल सप्लाई करने का आरोपी सन्नी पुत्र धर्मबीर निवासी गांव नांगल खेड़ी जिला पानीपत को गिरफ्तार किया। पुलिस ने सन्नी को इस मामले में पूछताछ के लिए कोर्ट में पेश कर छह दिन के रिमांड पर लिया है। स्मरणीय है कि पुलिस ने विपुल को अवैध देसी पिस्टल व जिंदा कारतूस के साथ पकडा था और इस मामले में थाना शहर में केस दर्ज है।

मंत्री आवास का घेराव करेंगे सफाई कर्मी

पानीपत। ग्रामीण सफाई कर्मचारी यूनियन के प्रदर्शन की तैयारी को लेकर सीटू दफ्तर में यूनियन के कार्यकर्ताओं बैठक जिला प्रधान सुल्तान की अध्यक्षता में हुई। बैठक में यूनियन के प्रदेश महासचिव व सीटू के कार्यकारी अध्यक्ष विनोद कुमार ने बताया कि यूनियन की मांगों को लेकर 30 अक्तूबर को पंचायत मंत्री आवास पर प्रदेश भर के ग्रामीण सफाई कर्मचारी आंदोलन करेंगे। बैठक में यूनियन के नेता गुलाब, सीटू नेता सुनील दत्त, जयभगवान आदि उपस्थित रहे।

सीएम नायब सैनी के दौरे की तैयारियां पूरी

पानीपत। मुख्यमंत्री नायब सिंह के 25 अक्टूबर रविवार को पानीपत आगमन को लेकर प्रशासन ने सभी तैयारियां पूर्ण कर ली हैं। शनिवार को उपायुक्त डॉ. हरीश वशिष्ठ व पुलिस अधीक्षक मेधा भूषण ने प्रशासनिक अधिकारियों के साथ दोनों कार्यक्रम स्थलों सहित हेलीपैड का फाइनल रिहर्सल किया और तैयारियों का जायजा लिया। सीएम नायब सैनी रविवार को पानीपत में आयोजित खटीक गर्जना सम्मेलन तथा भोड़वाल माजरी में आयोजित संत निरंकारी समागम में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करेंगे।

आर्यन हत्याकांड में एक और काबू

हरिभूमि न्यूज ▶▶ करनाल

करनाल, 24 अक्टूबर। पुलिस अधीक्षक करनाल करन गोयल, आईपीएस के निर्देश पर सीआईए-1 की टीम ने आर्यन हत्याकांड में कार्रवाई करते हुए हिमेश तनेजा उर्फ काकून निवासी शांति नगर, करनाल को गिरफ्तार किया है।

आरोपी को रामनगर क्षेत्र से काबू किया गया। पुलिस के अनुसार, इस मामले में पहले चार आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस के मुताबिक, 12 अक्टूबर 2026 को थाना सिविल लाइन में हत्या और आर्म्स एक्ट सहित विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था। जांच के दौरान हिमेश तनेजा की कथित संलिप्तता सामने आने पर सीआईए-1 प्रभारी निरीक्षक संदीप सिंह के नेतृत्व में सहायक उप निरीक्षक मदन सिंह की टीम ने उसे गिरफ्तार किया।

पुलिस जांच में आरोपी के खिलाफ पहले भी लड़ाई-झगड़े का एक मामला दर्ज होने की जानकारी मिली है। गिरफ्तार आरोपी को अदालत में पेश कर पूछताछ के लिए पुलिस रिमांड हासिल करने की प्रक्रिया अपनाई जाएगी। पुलिस का कहना है कि मामले में वारदात से जुड़े अन्य तथ्यों की जांच जारी है।

चार साल, चार देश और 136 मैराथन 50 पार डॉ. विर्क का जज्बा युवाओं के लिए बड़ी मिसाल

- शिकागो में 42 किलोमीटर की दौड़ पूरी कर फहराया तिरंगा, करनाल के कर्ण स्टेडियम से शुरू हुआ था फिटनेस का सफर

धर्मेंद्र खुराना ▶▶ करनाल



उम्र के 50वें पड़ाव को पार करने के बाद भी जोश और जुनून बरकरार हो, तो कोई भी लक्ष्य मुश्किल नहीं। करनाल के हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. बलवीर सिंह विर्क ने अपनी मेहनत और दृढ़ संकल्प से इसे साबित कर दिखाया है। उन्होंने चार वर्षों में चार देशों और देश के कई शहरों में 136 मैराथन व मिनी मैराथन में हिस्सा लेकर फिटनेस की अनूठी मिसाल पेश की है। हाल ही में उन्होंने अमेरिका के शिकागो में 42 किलोमीटर की मैराथन पूरी कर तिरंगा फहराया। डॉ. विर्क के लिए यह सफर आसान नहीं था। करीब पांच वर्ष पहले उनका वजन बढ़ने लगा था और जीवनशैली से जुड़ी स्वास्थ्य समस्याओं के संकेत मिलने लगे थे। इसके बाद उन्होंने अपनी दिनचर्या बदलने का फैसला किया और करनाल के कर्ण स्टेडियम में दौड़ना शुरू किया। उनके मित्र एवं सहकर्मी प्रवेश गाबा भी इस मुहिम में साथ जुड़ गए। धीरे-धीरे यह प्रयास एक समूह में बदल गया, जिसमें आज करीब 35 सदस्य नियमित रूप से दौड़ते हैं।

डॉ. विर्क का मैराथन और फिटनेस मंत्र

डॉ. विर्क अब तक 11 मैराथन और 125 मिनी मैराथन में भाग ले चुके हैं। उन्होंने अमेरिका, जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया और ब्रिटेन सहित चार देशों में दौड़ लगाई है। भारत में कोलकाता, दिल्ली, चंडीगढ़, मुंबई और बेंगलुरु जैसे शहरों में भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया है। शिकागो मैराथन में करनाल के राहुल चौधरी ने भी हिस्सा लिया। डॉ. विर्क का कहना है कि प्रत्येक व्यक्ति को रोजाना एक से डेढ़ घंटा अपने शरीर और स्वास्थ्य के लिए जरूर निकालना चाहिए। पिछले चार वर्षों से उन्होंने खानपान में भी अनुशासन अपनाया है और जंक फूड से दूरी बनाई है। उनका मानना है कि नियमित व्यायाम और संतुलित आहार से जीवनशैली को बेहतर बनाया जा सकता है। सर्दियों में भी व्यायाम जारी रखना चाहिए, ताकि शरीर सक्रिय और स्वस्थ रहे।

नाकाबंदी तोड़ भाग रहा था, तरावड़ी में हुई मुठभेड़

त्रिशूल गैंग के बदमाश अनिल की टांग में मारी गोली, गिरफ्तार

पहले से 4-5 मामले दर्ज होने का दावा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ करनाल

तरावड़ी क्षेत्र में गांव भैणी खुर्द और रुकनपुर के बीच रजवाहे की पुलिया पर नाकाबंदी के दौरान पुलिस और बदमाश के बीच मुठभेड़ हो गई। पुलिस के अनुसार मोटरसाइकिल सवार युवक ने रुकने के बजाय पुलिस पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में गोली उसकी टांग में लगी और वह घायल हो गया। आरोपी की पहचान गांव अरजेहड़ी निवासी अनिल पुत्र शिव कुमार के रूप में हुई है। पुलिस उसे त्रिशूल गैंग का सक्रिय सदस्य बता रही है।

- पहले से 4-5 मामले दर्ज होने का दावा

शुक्रवार रात एसआई संजय कुमार अपनी टीम के साथ काछवा रोड पर नहर पुल के पास गश्त और जांच कर रहे थे। इसी दौरान मुखबिर ने सूचना दी कि अनिल पल्सर मोटरसाइकिल पर गांव भैणी से रुकनपुर होते हुए करनाल की तरफ आने वाला है और उसके पास अवैध हथियार होने की आशंका है।



करनाल। मुठभेड़ में घायल आरोपी को उपचार के लिए अस्पताल ले जाती पुलिस।

पुलिस पर दो फायर, जवाबी कार्रवाई में घायल

पुलिस ने गांव भैणी से रुकनपुर जाने वाले रास्ते पर रजवाहे की पुलिया के पास नाकाबंदी कर दी। कुछ देर बाद तेज रफ्तार मोटरसाइकिल आती दिखाई दी। पुलिस टीम ने टॉर्च की रोशनी से चालक को रुकने का इशारा किया, लेकिन वह नहीं रुका। पुलिस के मुताबिक आरोपी ने टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में गोली उसकी टांग में लगी। घायल अनिल को करनाल के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस के अनुसार आरोपी ने दो फायर किए, जबकि पुलिस की ओर से तीन फायर किए गए। इलाज के बाद आरोपी को औपचारिक रूप से गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया जाएगा और रिमांड पर लेकर पूछताछ की जाएगी। पुलिस के मुताबिक अनिल के खिलाफ पहले से 4-5 मामले दर्ज हैं। पूछताछ में यह पता लगाया जाएगा कि वह हथियार लेकर कहां और किस उद्देश्य से जा रहा था तथा हथियार कहां से लेकर आया था।

आधी रात गोवंश से भरा ट्रक घेरा 16-17 गाय-बछड़े बरामद



करनाल। बलड़ी बाईपास पर पकड़ा गया गोवंश से भरा ट्रक।

करनाल। करनाल में गो-रक्षा दल के कार्यकर्ताओं ने बलड़ी बाईपास के पास गोवंश से भरे एक ट्रक को पकड़कर पुलिस के हवाले किया। शिकायतकर्ता अरविंद का आरोप है कि ट्रक में करीब 16-17 गाय और बछड़े ठूंस-ठूंसकर भरे थे, जिन्हें अंबाला की ओर से करनाल होते हुए दिल्ली की तरफ ले जाया जा रहा था। पुलिस ने ट्रक चालक और उसके साथ बैठे व्यक्ति के खिलाफ हरियाणा गोवंश संरक्षण एवं गोसंवर्धन अधिनियम सहित संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया है। शिव कॉलोनी निवासी अरविंद ने थाना सदर पुलिस को बताया कि उसे गोवंश से भरे ट्रक के आने की सूचना मिली थी। इसके बाद वह संदीप राणा, कुलदीप, नवीन व अन्य कार्यकर्ताओं के साथ बलड़ी बाईपास पहुंचा और डायल-112 को सूचना दी। पुलिस की गाड़ी भी मौके पर पहुंच गई। कुछ देर बाद बताए गए नंबर का ट्रक आया तो उसे रुकवाकर जांच की गई। ट्रक में मौजूद चालक ने अपना नाम जहीर अहमद निवासी बरेली, उत्तर प्रदेश और उसके साथ बैठे व्यक्ति ने मांगी राम निवासी सहारनपुर, उत्तर प्रदेश बताया। अरविंद के अनुसार थाने में गोवंश की गिनती के दौरान करीब 16-17 गाय और बछड़े मिले। शिकायतकर्ता ने ट्रक के आगे चल रही पंजाब नंबर की स्विफ्ट कार पर भी संदेह जताते हुए उसमें सवार लोगों की भूमिका की जांच की मांग की है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि गोवंश कहां से लाया गया और कहां ले जाया जा रहा था।

फर्जी बैंक कर्मी बनकर साइबर ठगी करने वाले दो गिरफ्तार

- शिकायतकर्ता से ठगी गई राशि की शत-प्रतिशत रिकवरी, अब तक कुल तीन आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अंबाला

पुलिस द्वारा साइबर अपराधियों के खिलाफ लगातार कार्रवाई करते हुए साइबर क्राइम की टीम ने फर्जी बैंक कर्मचारी बनकर ऑनलाइन साइबर ठगी करने के मामले में दो और आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आरोपियों के कब्जे से ठगी गई 1 लाख 35 हजार रुपये की पूरी राशि बरामद कर ली गई है। इस मामले में एक आरोपी को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। इस प्रकार अब तक कुल तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान ओम नारायण निवासी गांव लाल खेड़ा, थाना बारा सगरा, जिला उन्नाव, उत्तर प्रदेश तथा अक्षय प्रताप सिंह निवासी गांव बिकापुर, थाना औंग, जिला फतेहपुर, उत्तर प्रदेश के रूप में हुई है। जांच अधिकारी एएसआई प्रदीप कुमार ने बताया कि 27 अगस्त 2026 को दलजीत सिंह निवासी गांव भानोखेड़ी की शिकायत पर साइबर क्राइम थाना में मामला दर्ज किया गया था। शिकायत के अनुसार, शिकायतकर्ता के साथ फर्जी बैंक कर्मचारी बनकर संपर्क किया गया और ओटीपी हासिल कर ऑनलाइन माध्यम से 1 लाख 35 हजार रुपये की साइबर ठगी की गई। मामले की जांच के दौरान सामने आया कि आरोपी अक्षय प्रताप सिंह ने बैंक कर्मचारी बनकर शिकायतकर्ता से ओटीपी मांगा था। पुलिस टीम ने जांच को आगे बढ़ाते हुए मामले में संलिप्त दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया तथा ठगी गई पूरी राशि बरामद कर ली।

केवाईसी अपडेट करने के नाम पर 6.42 लाख ठगे

अंबाला। बैंक खाते की केवाईसी अपडेट करने के नाम पर एक व्यक्ति से 6.42 लाख रुपए की साइबर ठगी करने के मामले में साइबर क्राइम पुलिस ने उत्तर प्रदेश से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान उत्तर प्रदेश के हापुड़ के कैफ और संभल के मोहम्मद उजैक के रूप में हुई है। पुलिस ने कैफ को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है, जबकि मोहम्मद उजैक को रिमांड पर लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस अब ठगी की रकम बरामद करने और गिरोह से जुड़े अन्य आरोपियों का पता लगाने में जुटी है। पुलिस के अनुसार शहजादपुर क्षेत्र के गांव कड़ासन के रहने वाले अश्विनी कुमार ने 5 मार्च 2025 को साइबर क्राइम थाने में शिकायत दी थी। शिकायत में बताया कि 27 फरवरी से 2 मार्च 2025 के बीच साइबर ठगों ने उन्हें केवाईसी अपडेट करने के नाम पर फर्जी लिंक भेजा। इसके झांसे में आने के बाद उनके बैंक खाते से 6 लाख 42 हजार रुपए निकल गए। शिकायत के आधार पर पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू की। तकनीकी साक्ष्यों से आरोपियों तक पहुंची पुलिस जांच अधिकारी एएसआई सुनील कुमार के अनुसार, साइबर क्राइम थाना प्रभारी एसआई संदीप कुमार के नेतृत्व में टीम ने कॉल डिटेल और डिजिटल साक्ष्यों का विश्लेषण किया।

सीपीसीबी का शिकंजा कसने से तिलमिलाएं डायर्स

- डायर्स ने हड़ताल की चेतावनी दी, डीसी ने चेताया- प्रदूषण नियंत्रण के हर नियम को मानना होगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पानीपत

पानीपत डायर्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित बैठक में पानीपत के विभिन्न औद्योगिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। जिसमें सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड द्वारा डाईंग यूनिटों को परेशान करने पर चिंता जताई गई। वहीं दीपावली के बाद हड़ताल पर जाने एवं समस्याओं को लेकर उपायुक्त को ज्ञापन सौंपने का भी निर्णय लिया गया। बैठक में जहां सदस्यों ने अपनी समस्याओं को रखा वहीं दीपावली उत्सव भी मनाया। बैठक में एक्सपोर्ट एसोसिएशन के प्रधान ललित गोयल, पूर्व प्रधान यशपाल मलिक, हरियाणा इनवायरमेंट एसोसिएशन के प्रधान भीम राणा, अशोक गुप्ता, नवीन बंसल, विभु पालीवाल, सुभाष नारंग, संजीव मनचंदा, राजेश जैन, अशोक बांगा, रामप्रताप गुप्ता को सम्मानित किया गया। बैठक में पानीपत डायर्स एसोसिएशन के प्रधान नितिन अरोड़ा ने बताया कि सेंटर पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड उनके उद्योगों पर ऑनलाइन मॉनिटरिंग कर रहा है। यहां तक की मौसम या किसी कारणवश नेट में कोई प्रॉब्लम आ जाती है तो उसके लिए भी डाईंग यूनिट को कसूरवार ठहराकर नोटिस जारी कर दिया जाता है।



पानीपत। डायर्स एसो. के पदाधिकारी एक्सपोर्ट एसो. के प्रधान ललित गोयल को सम्मानित करते हुए।

आयोग के बीमा कंपनी को बीमित राशि देने के आदेश

पानीपत। पानीपत में दिनेश कुमार निवासी शास्त्री नगर, भापरा रोड, समालखा की कार चोरी होने के मामले में बीमा कंपनी की ओर से बीमित राशि का भुगतान नहीं करने पर जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग के अध्यक्ष डॉ. आरके डोगरा, सदस्य डॉ. रेखा चौधरी, विनीत कौशिक की पीठ ने ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी को उपभोक्ता सेवा में कमी का जिम्मेदार ठहराया है। आयोग ने कंपनी को शिकायतकर्ता को कार की बीमित राशि 415 861 रुपए के साथ शिकायत दर्ज करने की तारीख से भुगतान होने तक 9 प्रतिशत सालाना ब्याज देने के आदेश दिए हैं।

अनाधिकृत कॉलोनी में किए जा रहे अवैध निर्माण पर नगर योजनाकार विभाग का चला पीला पंजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ यमुनानगर

जिला नगर योजनाकार विभाग द्वारा नियंत्रित एरिया में राजस्व संपदा गनौली में विकसित की जा रही अनाधिकृत कालोनी में अवैध निर्माण कार्य को जेसीबी मशीन से तोड़ फोड़ दिया गया। जिला नगर योजनाकार अधिकारी राजेश कुमार ने नागरिकों से अनाधिकृत कालोनियों में अपनी मेहनत से कमाई हुई पूंजी को निवेश नहीं करने के लिए आहवान किया है। जिला नगर योजनाकार अधिकारी राजेश कुमार ने बताया कि उन्हें सूचना मिली थी कि छछरौली के गांव गनौली में बिना अनुमति के एक अनाधिकृत कॉलोनी विकसित की जा रही है। उन्होंने सूचना मिलते ही मामले के बारे में उच्चाधिकारियों को अवगत करवाया। जिसके बाद उपायुक्त प्रीति के निर्देश पर वह विभाग के स्टाफ के साथ मौके पर कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए ड्यूटी मजिस्ट्रेट के रुप में तैनात किए गए प्रतापनगर पंचायत विभाग के एसडीओ विनोद कुमार की मौजूदगी में विकसित की जा रही अनाधिकृत कालोनी स्थल पर पहुंचे। मौके पर पुलिस बल भी तैनात रहा।



कार्रवाई से पहले दिए थे नोटिस

जिला नगर योजनाकार अधिकारी राजेश कुमार ने बताया कि विभाग द्वारा कार्रवाई करने से पहले चूककर्ताओं को कंट्रोल एरिया एक्ट नंबर 12 की उपधारा 2 ऑफ 1963 के तहत नियमानुसार नोटिस जारी किए गए थे।

गलत साइड से आए ट्रैक्टर की टक्कर से युवक की मौत, दोस्त घायल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कुरुक्षेत्र

पिहोवा में अंबाला-हिसार हाईवे-152 पर भट्ट माजरा गांव के पास गलत साइड से आए ट्रैक्टर की टक्कर से बाइक सवार 32 वर्षीय युवक की मौत हो गई, जबकि उसका दोस्त घायल हो गया। हादसे के बाद चालक ट्रैक्टर मौके पर छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मृतक की पहचान यमुनानगर जिले के गांव ताहरपुर कलां निवासी कुलदीप सिंह के रूप में हुई है। वह डेंटिंग-पेंटिंग का काम करता था और अपनी ससुराल गांव जुरासी कलां आया हुआ था। वहां से वह अपने दोस्त शुभम के साथ वापस लौट रहा था। शुभम ने पुलिस को बताया कि रात करीब आठ बजे वे भट्ट माजरा गांव के पास एचपी पेट्रोल पंप के नजदीक पहुंचे तो सामने से तेज रफ्तार में गलत दिशा से आ रहे ट्रैक्टर ने उनकी बाइकों को टक्कर मार दी। कुलदीप की बाइक ट्रैक्टर के बंपर से टकरा गई, जिससे वह सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। राहगीरों की मदद से दोनों को निजी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने कुलदीप को मृत घोषित कर दिया। घायल शुभम का उपचार चल रहा है। कुलदीप के दो बेटे हैं, जिनकी उम्र पांच और सात साल है। थाना सदर पिहोवा पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

गन्ने की पेराई शुरू, खांड की मिठास में तैयार कर रहे गुड़

गुड़ से महकने लगा हरियाणा का वातावरण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ यमुनानगर

हरियाणा प्रदेश के शुगर मिलों में भले ही अभी गन्ना पेराई का कार्य शुरू होने में देरी है। लेकिन जिले में बिलासपुर क्षेत्र समेत अन्य स्थानों व प्रदेश की सीमा के साथ लगते यूपी क्षेत्र में अधिकांश गन्ना क्रशरों (चरखियों) में गन्ने की पेराई का कार्य शुरू हो चुका है। वहीं, जिनमें अभी गन्ना पेराई का कार्य शुरू नहीं हुआ है उनमें भी तैयारियां जोरों पर हैं। खास बात यह है कि गन्ना क्रशरों में बनाए जा रहे गुड़ की मिठास में देसी खांड को मिलाया जा रहा है। बताया जा रहा है कि गन्ना अभी कच्चा होने की वजह से गुड़ को सही रुप देने के लिए उसमें देसी खांड का प्रयोग किया जा रहा है। हालांकि अभी कुछ चरखियों में गन्ना पेराई का कार्य आंकड़ो के मुताबिक जिले में करीब सैंकड़ो गुड़ की चरखियां व क्रेशर हैं। जिनमें सबसे अधिक बिलासपुर क्षेत्र में हैं। वहीं, सरस्वती क्षेत्र व छछरौली समेत जिले की सीमा से सटे हुए यूपी क्षेत्र में गुड़ की चरखियां लगी हुई हैं। जिनमें रोजाना हजारों क्विंटल गन्ना पेराई शुरु हो चुकी है।





नहीं पकी है अभी गन्ने की फसल

कृषि विशेषज्ञों की मानें तो गन्ना की फसल पकने में अभी एक महीना और लग सकता है। अमूमन गन्ने की अगेती फसल नवंबर के अंत तक पक कर तैयार होती है। इसके बाद ही गन्ने के रस से सही गुड़ बनता है। लेकिन कुछ स्थानों पर गन्ना क्रशरों (चरखियों)में गुड़ बनाया जा रहा है। जिसे अधिक दिन तक जहां स्टोर करना मुमकिन नहीं है। गन्ना विशेषज्ञों के मुताबिक आजकल गन्ना पेराई करने से औसतन प्रति 12 क्विंटल गन्ने पर एक क्विंटल गुड़ बनता है। जबकि गन्ने की फसल पकने के बाद इसकी औसत घट कर प्रति दस क्विंटल गन्ने पर एक क्विंटल गुड़ बनता है। वहीं, आजकल गुड़ बनाने के लिए उसमें खांड व चीनी आदि मिलाई जा रही है। जबकि गन्ना की फसल पकने के बाद गुड़ में कोई अन्य चीज मिलाने की जरूरत नहीं है।

क्या कहते हैं चिकित्सक: गन्ना विशेषज्ञ एवं वरिष्ठ चिकित्सक डा. अतूल निहलानी सहारनपुर का कहना है कि गुड़ बनाने के लिए आजकल खांड के अलावा अन्य केमिकल हाईड्रो, हाईड्रोक्लाली तथा कई प्रकार के रंग प्रयोग किए जा रहे हैं। जिससे न केवल इन केमिकल्स युक्त पदार्थों से प्रयोग से गुड़ सहेत के लिए नुक्सानदायक है, बल्कि यह खाने के लिए भी स्वादिष्ट नहीं है।

खबर संक्षेप



मंडियों में किसानों को नहीं होगी कोई : डॉ. सिंह

यमुनानगर। व्यासपुर के उपमंडल अधिकारी(ना) डॉ. कुलदीप सिंह ने साढ़ौरा की अनाज मंडी का दौरा कर धान खरीद का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को धान खरीद को सुचारू एवं पारदर्शी तरीके से खरीदे जाने व उठान कार्य सुचारु रुप से करवाए जाने के निर्देश दिए। उपमंडल अधिकारी(ना) व्यासपुर डॉ. कुलदीप सिंह ने मंडी में पेयजल व्यवस्था, शौचालयों की साफ. सफाई, फसलों की तौल, गेट पास जारी करने की प्रक्रिया तथा खरीदी गई फसल के उठान की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने मंडी में फसल लेकर पहुंच रहे किसानों की सुविधा से संबंधित व्यवस्थाओं की भी जानकारी ली।

बिजली बंद होने के विरोध में पावर हाउस पर प्रदर्शन

रादौर। हरियाणा सरकार और बिजली कर्मचारी यूनियन के बीच समझौता होने के बावजूद शुक्रवार देर रात तक रादौर क्षेत्र के कई गांवों में बिजली सप्लाई शुरु नहीं होने से गुस्साए ग्रामीणों ने पावर हाउस के समक्ष पहुंचकर प्रदर्शन करना शुरू कर दिया। इस दौरान ग्रामीणों ने बिजली पावर हाउस के बाहर मार्ग पर जाम भी लगाया। जिससे वाहनों की लंबी लंबी लाइनें लग गई। सूचना मिलते ही थाना रादौर प्रभारी राजेश राणा पुलिस टीम के साथ व एसडीओ अविनाश मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों को समझाकर शांत किया। शुक्रवार देर शाम हरियाणा सरकार व बिजली कर्मचारी यूनियन के के नेताओं के बीच समझौता होने के बाद बिजली कर्मचारियों ने हड़ताल वापस लेने का ऐलान कर दिया। जिसके बाद रादौर व क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में लोगों ने उम्मीद जताई की कुछ ही समय में बिजली सप्लाई शुरू हो जाएगी। मगर ऐसा नहीं हुआ और देर रात तक बिजली सप्लाई शुरू नहीं हो सकी। जिसके बाद रादौर व क्षेत्र भर के कई गांवों के सैंकड़ो किसान कस्बा के बिजली पावर हाउस के बाहर एकत्र हो गए और प्रदर्शन करने लगे।

दीपावली पर ग्रीन क्रैकर्स की बिक्री के लिए जारी किए जाएंगे अस्थायी लाइसेंस

स्फिोटक नियम 2008 के नियम 84 एवं 88 तथा अन्य लागू प्रावधानों के तहत अस्थायी दुकानों के लिए लाइसेंस जारी करने की प्रक्रिया अपनाई जाएगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

जगाधरी के एसडीएम विश्वनाथ के अनुसार शहर में पांच स्थानों पर आबंटित की जाएंगी 70 दुकानें

दीपावली के पर्व पर वायु गुणवत्ता एवं जनसुरक्षा को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन द्वारा केवल ग्रीन क्रैकर्स की बिक्री के लिए निर्धारित स्थानों पर अस्थायी दुकानों के लाइसेंस जारी किए जाएंगे। इस संबंध में जिला मजिस्ट्रेट यमुनानगर द्वारा जारी आदेशों की उपमंडलाधिकारी (ना)जगाधरी विश्वनाथ ने जानकारी दी है। उपमंडलाधिकारी (ना) विश्वनाथ ने कहा कि प्रशासन द्वारा जारी सूचना के अनुसार विस्फोटक नियम 2008 के नियम 84 एवं 88 तथा अन्य लागू प्रावधानों के तहत अस्थायी दुकानों के लिए लाइसेंस जारी करने की प्रक्रिया अपनाई जाएगी। इसका उद्देश्य दीपावली के दौरान पटाखों की बिक्री को निर्धारित स्थानों तक सीमित रखना, वायु प्रदूषण को नियंत्रित करना तथा आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। एसडीएम जगाधरी विश्वनाथ ने बताया कि प्रशासन द्वारा जारी सूची के अनुसार यमुनानगर एवं आसपास के निर्धारित क्षेत्रों में कुल 70 अस्थायी दुकानों का आवंटन किया जाएगा। इनमें रेलवे ग्राउंड, रेलवे वर्कशॉप, यमुनानगर में 15 दुकानें, सिटी सेंटर के अंदर स्थित स्टेडियम में 10 दुकानें, जगाधरी के हुड्डा सेक्टर 18 के मैदान में हुड्डा कार्यालय के सामने उत्तर दिशा में 30 दुकानें, ईएसआई अस्पताल यमुनानगर के पीछे खाली स्थान पर 10 दुकानें तथा खंड विकास एवं पंचायत कार्यालय ससौली नगर के सामने वाली जगह पर 5 दुकानें निर्धारित की गई हैं। उन्होंने बताया कि इस प्रकार इन पांच स्थानों पर कुल 70 दुकानों के लिए लाइसेंस जारी किए जाएंगे। आवंटन निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार किया जाएगा। ताकि सभी इच्छुक आवेदकों को नियमानुसार अवसर मिल सके।

आवेदक 27 अक्टूबर से 1 नवंबर तक जमा करवाएं आवेदन

एसडीएम विश्वनाथ ने कहा कि इच्छुक आवेदक 27 अक्तूबर को सुबह नौ बजे से एक नवंबर शाम पांच बजे तक उपमंडलाधिकारी जगाधरी के कार्यालय में अपने आवेदन जमा करवा सकते हैं। निर्धारित समयावधि के बाद प्राप्त होने वाले आवेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा। इसलिए इच्छुक व्यक्तियों से अपील की गई है कि वे समय रहते आवेदन प्रक्रिया पूरी करें। उन्होंने बताया कि प्राप्त आवेदनों के आधार पर निर्धारित स्थानों पर अस्थायी दुकानों का आवंटन 2 नवंबर को ड्रॉ के माध्यम से नियमानुसार किया जाएगा। लाइसेंस जारी करने और दुकानों के आवंटन की प्रक्रिया संबंधित नियमों एवं सक्षम प्राधिकारी द्वारा निर्धारित शर्तों के अनुसार पूरी की जाएगी।



सुरक्षा नियमों का पालन अनिवार्य

एसडीएम विश्वनाथ ने स्पष्ट किया कि वैध लाइसेंस प्राप्त किए बिना किसी भी स्थान पर आतिशबाजी की बिक्री नहीं की जा सकेगी। लाइसेंसधारकों को निर्धारित सुरक्षा मानकों, दुकानों के बीच आवश्यक दूरी, अग्नि सुरक्षा संबंधी प्रावधानों तथा लाइसेंस संबंधी अन्य शर्तों का अनिवार्य रूप से पालन करना होगा। उन्होंने आमजन से दीपावली के अवसर पर केवल ग्रीन क्रैकर्स का ही प्रयोग करने और पर्यावरण संरक्षण के साथ साथ अपनी तथा दूसरों की सुरक्षा का भी विशेष ध्यान रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि निर्धारित नियमों का पालन करके प्रदूषण कम करने और दीपावली को सुरक्षित एवं पर्यावरण के अनुकूल बनाने में सहयोग दें।

शहीद हुए पुलिस कर्मचारियों के बलिदान को नहीं भुलाया जा सकता: गोयल

जिला पुलिस प्रशासन ने शहीदों को नमन कर दी सच्ची श्रद्धांजलि

पुलिस अधीक्षक कमलदीप गोयल ने लोगों से शहीदों के बलिदान को कभी भी नहीं भूलने के लिए किया आह्वान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर



यमुनानगर। शहीद हुए मुख्य सिपाही कर्ण सिंह के परिजनों को सम्मानित करते हुए डीएसपी रजत गुलिया व अन्य पुलिस कर्मचारी।

जिला पुलिस प्रशासन द्वारा जिले के शहीद हुए पुलिस कर्मचारियों के सम्मान में कार्यक्रम आयोजित करके उनके घर घर जाकर उनके परिजनों को सम्मानित किया जा रहा है। शनिवार को भी पुलिस प्रशासन द्वारा कार्यक्रम आयोजित कर शहीद हुए पुलिस कर्मचारियों के घर घर पहुंचकर उनके परिजनों को सम्मानित किया।

पुलिस अधीक्षक कमलदीप गोयल ने कहा कि शहीदों की याद में जिला पुलिस कार्यक्रम कर रही है। ताकि समाज और आने वाली पीढ़ी को हमारे शहीद हुए पुलिस कर्मियों की बहादुरी का पता चल सके। उन्होंने बताया कि इसी कड़ी में डीएसपी रजत गुलिया, वेलफेयर इंस्पेक्टर कुसुम बाला व अन्य पुलिस अधिकारियों ने शनिवार को शहीदों के घर पहुंचकर उनके परिवार को सम्मानित किया। डीएसपी रजत गुलिया ने कहा कि इन पुलिस कर्मचारियों ने अपराधियों को पकड़ने के लिए अपने प्रामण न्योछावर कर दिए। इन पर हम सभी को गर्व करना चाहिए। वहीं,डीएसपी रमेश कुमार, थाना प्रबंधक साढ़ौरा लखविंदर सिंह, वेलफेयर इंस्पेक्टर कुसुम बाला व अन्य पुलिस अधिकारियों ने शहीद मुख्य सिपाही अजायब सिंह के घर पहुंचकर उनको श्रद्धांजलि दी व उनके परिवार को सम्मानित किया। उन्होंने बताया कि शहीद मुख्य सिपाही अजायब सिंह वीवीपीआई गेट हरियाणा सिविल सचिवालय चंडीगढ में तैनात था। इस दौरान मानव बम फटने की वारदात को आंतकवादियों ने अंजाम दे दिया। जिस बम बलास्ट में मुख्य सिपाही अजायब सिंह मौका पर ही कर्तव्य पालन में शहीद हो गए और पंजाब के तत्कालीन मुख्यमंत्री बेअंत सिंह भी घटना के शिकार हो गए। पुलिस अधीक्षक कमलदीप गोयल ने कहा कि शहमारे ये वीर सपूत हमेशा हमारे हृदयों में जीवित रहेंगे। उनका बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा। उनके परिवारों का सम्मान करना हमारा कर्तव्य ही नहीं है। बल्कि यह हमारा नैतिक दायित्व भी है।

शहीद सिपाही कर्ण सिंह को घर जाकर श्रद्धांजलि दी

पुलिस अधीक्षक कमलदीप गोयल ने कहा कि शहीदों के बलिदान को कभी भी नहीं भूलाया जा सकता है। हमें उनके बलिदान को सदैव याद रखना चाहिए। पुलिस अधीक्षक कमलदीप गोयल ने बताया कि शनिवार को डीएसपी रजत गुलिया ने शहीद हुए मुख्य सिपाही कर्ण सिंह को उनके घर पर जाकर श्रद्धांजलि दी। उन्होंने बताया कि शहीद मुख्य सिपाही कर्ण सिंह थाना बिलासपुर में तैनात थे। दिनांक 30 अगस्त 1990 को उनको एक टेलीफोन पर सूचना प्राप्त हुई कि कुछ नौजवान सिख आतंकवादी असले के साथ गुरुद्वारा गांव मारवा खुर्द में छिपे हुए हैं। इस सूचना पर तुरंत वह अपने साथ मुख्य सिपाही सतबीर सिंह के साथ मौका पर रेड करने के लिए पहुंचे। उन्होंने संदिग्ध व्यक्तियों की तलाश शुरू की। लेकिन तभी उनकी मुठभेड़ हो गई। जिससे मुठभेड़ में यह अधिकारी शहीद हो गया।

न्यूज डायरी



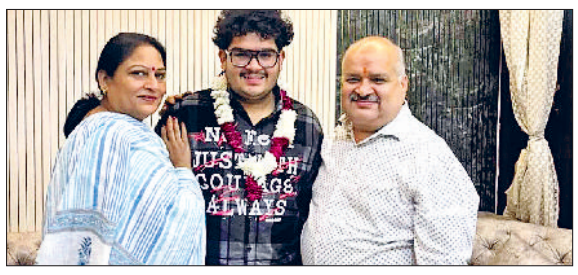
त्रिवेणी चौक से अब यमुनानगर नहीं जा सकेंगे वाहन

रादौर। पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा कुरुक्षेत्र की सीमा पर स्थित अलपुरा गांव से लेकर यमुनानगर तक किए जा रहे सड़क के निर्माण कार्य को लेकर रादौर के त्रिवेणी चौक पर जेसीबी मशीन से खंदक बनाकर मार्ग पर वाहनों की आवाजाही को बंद कर दिया है। प्रशासन द्वारा अब यमुनानगर की ओर जाने वाले वाहनों के लिए मार्ग डाइवर्ट किया गया है। जिला यातायात थाना प्रभारी एचएचओ संदीप कुमार के मुताबिक अब रादौर के त्रिवेणी चौक से वाहन वाया जठलाना मार्ग से होते हुए यमुनानगर पहुंच सकेंगे। यातायात थाना प्रभारी संदीप कुमार ने बताया कि यमुनानगर के जोडियों से अलीपुरा तक के सड़क मार्ग का निर्माणकार्य युद्धस्तर पर शुरु हो चुका है। प्रशासन द्वारा सड़क मार्ग का कार्य बिना बाधा के सुचारु रुप से होता रहे के लिए वाहनों की आवाजाही के लिए अन्य मार्ग निर्धारित किए गए हैं। जिसके तहत शादीपुर, जठलाना वाया रादौर त्रिवेणी चौक जाया जा सकता है। वाहन चालक दूसरे मार्ग करहेडा, अलाहर, करतारपुर व पालेवाला से होते हुए त्रिवेणी चौक से निकल सकते हैं।



एमडीवीएम स्कूल हाफिजपुर की कबड्डी टीम बनी विजेता

रादौर। एमडीवीएम पब्लिक स्कूल हाफिजपुर की कबड्डी टीम ने राजकीय स्कूल मांडखेड़ी में आयोजित हुई जिलास्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। विजेता कबड्डी टीम ने प्रतियोगिता में उत्कृष्ट खेल कौशल, मेहनत व टीम भावना का परिचय देते हुए जीत दर्ज की। प्रथम स्थान प्राप्त करने पर टीम के खिलाड़ियों को मेडल देकर सम्मानित किया गया। विद्यालय के चेयरमैन अनिल कांबोज ने बताया कि उनके स्कूल की कबड्डी टीम में खिलाड़ी सक्षम, लविश, राजन, पर्व पाल, नीरव और उदित ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर यह उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने बताया कि इस शानदार सफलता के पीछे विद्यालय के पीटीआई राहुल व सोनू का विशेष योगदान रहा। उन्होंने विद्यार्थियों को नियमित अभ्यास करवाया और प्रतियोगिता के लिए पूरी मेहनत के साथ तैयार किया। इस उपलब्धि पर विद्यालय के प्रिंसीपल अंजू गुलाटी, अकादमिक डायरेक्टर सोनाली कांबोज ने विजेता खिलाड़ियों को हार्दिक बधाई दी तथा उनकी मेहनत, अनुशासन और खेल भावना की सराहना की।



कृष्णा बत्रा ने सीए में हासिल की 24वीं रैंक

यमुनानगर। चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) बनने की दिशा में महत्वपूर्ण पड़ाव पार करते हुए यमुनानगर के छात्र कृष्णा बत्रा ने सीए इंटरमीडिएट परीक्षा में शानदार प्रदर्शन किया है। गत सितंबर में आयोजित हुई परीक्षा में कृष्णा ने 600 में से 460 अंक हासिल कर डिस्टिंक्शन के साथ सफलता प्राप्त की। उन्हें ऑल इंडिया रैंक (एआईआर) 24वां रैंक मिला है। उनकी इस उपलब्धि से परिवार और शुभचिंतकों में खुशी का माहौल है। अकाउंट आफिसर यमुनानगर सोनू बत्रा ने बताया कि उनके बेटे कृष्णा ने सीए इंटरमीडिएट परीक्षा की तैयारी पंचकूला के सेक्टर-10 स्थित एसडी कॉमर्स इंस्टीट्यूट से की है। परीक्षा में 600 में से 460 अंक प्राप्त करना उनकी मेहनत और तैयारी को दर्शाता है। भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान (आईसीएआई) की ओर से जारी परिणाम के अनुसार कृष्ण दोनों ग्रुप में सफल रहे और उन्हें डिस्टिंक्शन के साथ उत्तीर्ण घोषित किया गया। कृष्णा बत्रा ने परीक्षा के ग्रुप में कुल 222 अंक हासिल किए। इसमें एडवांस्ड अकाउंटिंग में 83 अंक, कॉरपोरेट एंड अदर लॉज में 75 अंक और टैक्सेशन में 64 अंक शामिल हैं। इस तरह उन्होंने पहले ग्रुप की परीक्षा सफलतापूर्वक उत्तीर्ण की। वहीं, ग्रुप में कृष्णा ने 238 अंक प्राप्त किए।

उपायुक्त ने किसानों को जिले की सीमा में धान के अवशेष नहीं जलाने के लिएकी अपील

यमुनानगर। धान के अवशेषों को खेतों में जलाना दंडनीय अपराध है। किसान जिला की सीमा में धान के अवेशष नहीं जलाएं। उक्त जानकारी उपायुक्त प्रीति ने अपने कार्यालय में बातचीत करते हुए दी है। उन्होंने किसानों को धान के अवशेषों का प्रबंधन करने के लिए आहवान किया।



उपायुक्त प्रीति ने किसानों को आहवान किया कि वह जिला की सीमा के भीतर धान की फसल की कटाई के बाद पराली को न जलाएं। क्योंकि यह दंडनीय अपराध है। उन्होंने कहा कि धान की फसल के अवशेषों को जलाने से जो वायु प्रदूषण होता है। उससे मनुष्य के स्वास्थ्य, संपत्ति की हानि, तनाव, क्रोध या मानव जीवन को भारी खतरे की संभावना बनी रहती है और आग लगने से आसपास के क्षेत्रों में जानमाल की हानि भी हो सकती है । वहीं, पशुओं के लिए चारा की भी कमी हो जाती है। जबकि उन अवशेषों से पशुओं के लिए तूड़ा (चारा) बनाया जा सकता है। उन्होंने बताया कि धान की फसल उठाने के बाद पराली को जलाने से भूमि में मौजूद कई उपयोगी बैक्टीरिया व कीट नष्ट हो जाते हैं। इससे हमारी भूमि की उपजाऊ शक्ति कमजोर होती है और पैदावार पर भी असर पड़ता है।उपायुक्त प्रीति ने किसानों से आह्वान किया कि वह फसल अवशेषों को न जलाए।

रिवर वाटर फ्रंट के बनने से यमुनानगर को मिलेगी नई पहचान : अरोड़ा

- विधायक घनश्याम दास अरोड़ा व निगम की मेयर सुमन बहमनी ने शहर में पश्चिमी यमुना नहर के किनारे रिवर वाटर फ्रंट का किया शिलान्यास

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर



यमुनानगर। पश्चिमी यमुना नहर के किनारे रिवर वाटर फ्रंट परियोजना का शिलान्यास करते हुए विधायक घनश्याम दास अरोड़ा व मेयर सुमन बहमनी समेत अन्य।

यमुनानगर को सुंदर एवं आकर्षक बनाने की दिशा में नगर निगम द्वारा पश्चिमी यमुना नहर के किनारे रिवर वाटर फ्रंट विकसित किया जाएगा। दिव्य नगर योजना के तहत करीब 9 करोड़ रुपये की लागत से तैयार होने वाली इस परियोजना के अंतर्गत ओपी जिंदल पार्क के पीछे से फतेहपुर पुल तक लगभग साढ़े चार किलोमीटर लंबे और 5 मीटर चौड़े मार्ग का विकास एवं सौंदर्यीकरण किया जाएगा। इस परियोजना से शहरवासियों को सैर सपाटे, व्यायाम और मनोरंजन के लिए एक नया स्थान मिलेगा। शनिवार को सिटी विधायक घनश्याम दास अरोड़ा और मेयर सुमन बहमनी ने इस परियोजना का शिलान्यास किया। विधायक घनश्याम दास अरोड़ा ने बताया कि रिवर वाटर के बनने से यमुनानगर को एक नई पहचान मिलेगी और लोगों को इसका लाभ मिलेगा। उन्होंने बताया कि परियोजना के तहत पश्चिमी यमुना नहर के किनारे आधुनिक सुविधाओं से युक्त लैंडस्केप एरिया विकसित किया जाएगा।

राज्यस्तरीय महिला पुरस्कार के लिए 5 नवंबर तक करें आवेदनः रंगा

यमुनानगर। हरियाणा के महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा राज्य स्तरीय महिला पुरस्कार के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां प्राप्त करने वाली इच्छुक महिलाएं 5 नवंबर तक अपने आवेदन ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से कर सकती हैं। उक्त जानकारी विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी मिक्षा रंगा ने दी। विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी मिक्षा रंगा ने बताया कि श्रीमती सुषमा स्वराज पुरस्कार के लिए पांच लाख रुपये की राशि व प्रशंसित पत्र, इंदिरा गांधी महिला शक्ति पुरस्कार के लिए डेढ़ लाख रुपये की राशि व प्रशंसित पत्र, कल्पना चावला शौर्य पुरस्कार के लिए एक लाख रुपये की राशि व प्रशंसित पत्र व बहन शन्नों देवी पंचायती राज पुरस्कार के लिए एक लाख रुपये की राशि व प्रशंसित पत्र दिया जाएगा। वहीं, लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड के लिए 51 हजार व प्रशंसित पत्र दिया जाएगा। इसी तरह विभिन्न क्षेत्रों में सराहनीय प्रदर्शन करने वाली एएनएम, एमपीएचडब्ल्यू तथा नर्स महिला खिलाड़ी, राजकीय कर्मचारी, सामाजिक कार्यकर्ता और महिला उद्यमी को 21 हजार रुपये व प्रशंसित पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा।



यमुनानगर। नवनियुक्त किए गए मुख्य सेवादार हरकीरत सिंह खुराना को सिरोपा पहनाकर स्वागत करते हुए सोसायटी के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

हरकीरत सिंह खुराना को बनाया गुरु मानियो ग्रंथ सेवा सोसायटी का मुख्य सेवादार, किया सम्मान

यमुनानगर। गुरु साहिबान की शिक्षाओं के प्रचार प्रसार, गुरमत समागमों के आयोजन और मानवता की सेवा के लिए कार्यरत प्रसिद्ध संस्था गुरु मानियो ग्रंथ सेवा सोसायटी के सदस्यों ने शनिवार को सर्वसम्मति से हरकीरत सिंह खुराना को सोसायटी का नया मुख्य सेवादार नियुक्त किया है। क्षेत्र के विभिन्न सिख संगठनों, गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटियों और संगतों ने नवनियुक्त मुख्य सेवादार हरकीरत सिंह खुराना को बधाई दी है। उनकी नियुक्ति को लेकर सिख संगतों में खुशी का माहौल है। नवनियुक्त मुख्य सेवादार हरकीरत सिंह खुराना ने अपनी नियुक्ति के लिए सोसायटी के सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि उन्हें जो सेवा सौंपी गई है। वह उसे पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण भाव से निभाएंगे। उन्होंने कहा कि गुरु साहिबान की शिक्षाओं को घर घर तक पहुंचाना, सिखी के सिद्धांतों का प्रचार करना, गुरमत समागमों के माध्यम से संगतों को गुरबाणी से जोड़ना और जरूरतमंदों की सहायता करना सोसायटी के प्रमुख उद्देश्य हैं। इन कार्यों को और अधिक प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने के लिए वह सोसायटी के सभी सदस्यों और गुरु मानियो ग्रंथ सेवा सोसायटी के यूथ विंग के सहयोग से कार्य करेंगे। मुख्य सेवादार हरकीरत सिंह खुराना ने सोसायटी के पूर्व मुख्य सेवादार सरदार परमजीत सिंह बब्बू की सेवाओं की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने लंबे समय तक अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए धार्मिक और सामाजिक सेवा के कार्यों को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

खेलों से युवाओं का होता है शारीरिक और मानसिक विकासः विनय

शहीद उधम सिंह क्रिकेट प्रतियोगिता का पहला मुकाबला हरिपुर कांबोज ने 3 विकेट से जीता

समाजसेवी विनय कांबोज हरिपुर ने मुख्यातिथि के रुप में लिया भाग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रादौर



यमुनानगर। गांव बहादुरपुर में आयोजित प्रतियोगिता में मुख्यातिथि को सम्मानित करते आयोजक। फोटो : हरिभूमि

रादौर क्षेत्र के गांव बहादुरपुर में ग्रामीणों की ओर से शनिवार को शहीद उधम सिंह क्रिकेट प्रतियोगिता (सीजन-6) का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का पहला मुकाबला हरिपुर कांबोज व सुखपुरा की टीमों के बीच खेला गया। इस अवसर पर समाजसेवी विनय कांबोज हरिपुर ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। प्रतियोगिता के पहले मुकाबले में हरिपुर कांबोज की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए निर्धारित 5 ओवर में 59 रन बनाए। टीम की ओर से रौनक हरिपुर ने मात्र 10 गेंदों पर 26 रन, जबकि वंश ने 8 गेंदों पर 17 रन की शानदार पारी खेली। गेंदबाजी में वंश ने एक विकेट हासिल किया। जबकि गौरव ने दो विकेट लेकर अहम योगदान दिया। शानदार प्रदर्शन के लिए वंश को मैन ऑफ द मैच चुना गया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी सुखपुरा की टीम हरिपुर कांबोज की शानदार गेंदबाजी के सामने 34 रन ही बना सकी। इस तरह हरिपुर कांबोज की टीम ने पहले मुकाबले में जीत दर्ज कर प्रतियोगिता में शानदार शुरुआत की। प्रतियोगिता के आयोजकों ने बताया कि टूर्नामेंट में कुल 24 टीमें भाग ले रही हैं। प्रतियोगिता में विजेता टीम को 51 हजार रुपये व उपविजेता टीम को 21 हजार रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी। इस अवसर पर मुख्यातिथिसमाजसेवी विनय कांबोज हरिपुर ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल हमारे जीवन का अभिन्न अंग हैं। युवाओं को नशे से दूर रहकर खेलों की ओर ध्यान देना चाहिए। खेलों से युवाओं का शारीरिक और मानसिक विकास होता है तथा उनमें अनुशासन, एकता और भाईचारे की भावना बढ़ती है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में आयोजित होने वाली खेल प्रतियोगिताएं युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का बेहतरीन मंच प्रदान करती हैं।



सड़कों का किया जा रहा है सुदृढ़ीकरणः नेपाल

रादौर। रादौर विधानसभा क्षेत्र में प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा के नेतृत्व में ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में विकास कार्य करवाए जा रहे हैं। आज रादौर क्षेत्र के प्रत्येक गांव में विकास कार्य करवाए जा रहे हैं। उक्त शब्द कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा के सुपुत्र एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता नेपाल राणा ने शनिवार को रादौर क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर चल रहे विकास कार्यों का निरीक्षण किया। मौके पर उनके साथ मार्केट कमेटी रादौर के चेयरमैन रुपेंद्र मल्ली भी मौजूद रहे। भाजपा के वरिष्ठ नेता नेपाल राणा ने कहा कि रादौर विधानसभा क्षेत्र का प्रत्येक गांव आज विकास की मुख्य धारा से जुड़कर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण अंचलों में सड़कों का सुदृढ़ीकरण, पीने के साफ पानी की व्यवस्था, निर्बाध बिजली आपूर्ति और स्वास्थ्य व शिक्षा सुविधाओं का विस्तार पहली प्राथमिकता रहा है। आज रादौर के गांव बुनियादी सुविधाओं के मामले में आत्मनिर्भर और मजबूत बन रहे हैं। कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा रादौर विधानसभा क्षेत्र में करोड़ों रुपये की लागत से हरियाणा सरकार के माध्यम से लगातार विकास कार्य करवा रहे हैं। भाजपा के वरिष्ठ नेता नेपाल सिंह राणा ने कहा कि रादौर का युवा आज न केवल अपनी शिक्षा और करियर के प्रति सजग है।

खबर संक्षेप

बैडमिंटन टीम के चयन ट्रायल 1 नवंबर को



कुरुक्षेत्र। जिला बैडमिंटन संघ की ओर से कुरुक्षेत्र जिला बैडमिंटन की बालक एवं बालिका टीम के चयन के लिए 1 नवंबर 2026 को चयन ट्रायल आयोजित किए जाएंगे। ये ट्रायल सेक्टर-7 स्थित वायर विंग्स अकादमी में सुबह 10 बजे से शुरू होंगे। जिला कुरुक्षेत्र बैडमिंटन संघ के महासचिव प्रो. पीसी तिवारी के अनुसार, ट्रायल अंडर-11 और अंडर-13 आयुवर्ग के बालक एवं बालिका खिलाड़ियों के लिए होंगे। इसमें एकल और युगल वर्ग के मुकाबले करवाए जाएंगे।

बिजड़पुर से शुरू होगी धर्म रक्षा-राष्ट्र रक्षा यात्रा

पिहोवा। जग ज्योति धाम बिजड़पुर, शाहाबाद के पीठाधीश महंत श्री राजेंद्र पुरी जी महाराज ने पिहोवा में प्रेस वार्ता कर आगामी धर्म रक्षा-राष्ट्र रक्षा यात्रा के उद्देश्य एवं महत्व की जानकारी दी। उन्होंने पत्रकारों से यात्रा के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। महंत राजेंद्र पुरी जी महाराज ने बताया कि यह यात्रा 27 अक्टूबर को शाहाबाद के बिजड़पुर से शुरू होगी और कुरुक्षेत्र लोकसभा क्षेत्र के सभी 9 हलकों में पहुंचेगी।

हड़ताल खत्म होते ही पटरी पर लौटने लगी व्यवस्था

कुरुक्षेत्र। शहर में दो दिन से जारी बिजली संकट के बाद आखिरकार बिजली आपूर्ति बहाल होने से लोगों ने राहत की सांस ली। बिजली कर्मचारियों की हड़ताल खत्म होते ही शहर के कई इलाकों में बिजली लौटने से जनजीवन सामान्य होने लगा है। लंबे समय तक बिजली गुल रहने के कारण परेशान लोगों को अब राहत मिलने की उम्मीद जगी है। बिजली आपूर्ति बाधित रहने से घरों में रोजमर्रा के काम प्रभावित हुए, वहीं दुकानदारों और व्यापारियों को भी परेशानी उठानी पड़ी।

शरद पूर्णिमा के अवसर पर अमृतवर्षा समागम कल

कुरुक्षेत्र। धर्मनगरी कुरुक्षेत्र में शरद पूर्णिमा के पावन अवसर पर 26 अक्टूबर सोमवार को तृतीय 'अमृतवर्षा समागम' श्रद्धा एवं उल्लास के साथ आयोजित किया जाएगा। यह समागम शिरोमणि सतगुरु रविदास महाराज जी के 650वें प्रकाशपर्व को समर्पित रहेगा तथा महर्षि वाल्मीकि जी महाराज के प्रकट दिवस के पावन उपलक्ष्य में संपन्न होगा। धार्मिक आयोजन का स्थल डॉ. बी.आर. अंबेडकर चौक के समीप स्थित प्राचीन ऐतिहासिक शिरोमणि सतगुरु रविदास महाराज मंदिर एवं धर्मशाला परिसर रहेगा।

कल होने वाली महापंचायत के लिए दिया न्योता

कुरुक्षेत्र। 26 अक्टूबर को रोहतक में होने वाली महापंचायत को सफल बनाने के लिए गांव-गांव में छोटे-छोटे ग्रुपों में मीटिंग की जा रही है। लोगों को ले जाने के लिए साधनों का इंतजाम किया जा रहा है। यह जानकारी आल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन के जिलाध्यक्ष कामरेड राजकुमार सारसा ने जारी बयान में दी। उन्होंने कहा कि यह किसान-मजदूर, छात्र -युवा, महिला महापंचायत एक नई मिसाल पेश करेगी।

वृद्धाश्रम में जरूरत का सामान किया भेंट



लाडवा। भारतीय स्टेट बैंक ने सामाजिक दायित्व निभाते हुए बाबा बंसी वाला वृद्धाश्रम लाडवा में रह रहे बुजुर्गों की सुविधा के लिए 25 बेड, 25 बेड-साइड टेबल, 25 गद्दे, 25 चादरें और 25 तकिए भेंट किए। बैंक की इस पहल से वृद्धाश्रम में रहने वाले बुजुर्गों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी और उनका जीवन अधिक आरामदायक बनेगा। वृद्धाश्रम में आयोजित कार्यक्रम के दौरान एस.बी.आई. के अधिकारियों ने यह सामग्री आश्रम प्रबंधन को सौंपी।

ब्रह्मसरोवर के आसपास यातायात व्यवस्था हो रही प्रभावित

धान के ढेरों से घिरी सड़कें वाहन चालकों को परेशानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

धान की भारी आवक के चलते कुरुक्षेत्र जिले की अनाज मंडियों में जगह की कमी सामने आने लगी है। मंडियों में फसल डालने के लिए स्थान नहीं मिलने के कारण किसानों को ब्रह्मसरोवर के आसपास की सड़कों, पार्किंग स्थलों और खाली जगहों पर धान रखना पड़ रहा है। इससे धार्मिक पर्यटन के प्रमुख केंद्र ब्रह्मसरोवर के आसपास यातायात व्यवस्था प्रभावित हो रही है। ब्रह्मसरोवर की चारों तरफ की सड़कें और पार्किंग स्थल धान की ढेरियों से भरे नजर आ रहे हैं। पूर्व दिशा में मेला ग्राउंड और तिरुपति बालाजी मंदिर के पास स्थित पार्किंग स्थल पर भी बड़ी मात्रा में धान रखा गया है। ढेरियां लगने से वाहनों की पार्किंग के लिए जगह कम पड़ गई है। गांव अमीन के किसान अंकुर और आलमपुर के किसान जयप्रकाश के अनुसार, मंडी में धान सुखाने और ट्रॉली से नीचे उतारने के लिए भी पर्याप्त जगह नहीं मिल रही। ऐसे में किसानों को धान रखने के लिए ब्रह्मसरोवर के आसपास की सड़कों का सहारा लेना पड़ रहा है। पार्किंग स्थलों पर धान की बोरियां और ढेरियां जमा होने से वाहन खड़े करने में भी परेशानी हो रही है। धान की समस्या पार्किंग स्थलों तक सीमित नहीं है। ब्रह्मसरोवर की ओर आने वाली केडीबी के 100 फुटा रोड सहित आसपास के मार्गों पर भी धान रखा जा रहा है। इससे वाहन चालकों और पैदल चलने वालों को परेशानी हो सकती है।



कुरुक्षेत्र। सड़क पर पड़ी धान की बोरियां।

यह स्थिति मंडी प्रबंधन और भंडारण व्यवस्था की चुनौतियों को करती है उजागर : देवकरण

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के शोधार्थी देवकरण के अनुसार, यह स्थिति धान खरीद सीजन में मंडी प्रबंधन और भंडारण व्यवस्था की चुनौतियों को उजागर करती है। उन्होंने सरकार और जिला प्रशासन से मंडियों से धान का समय पर उठान सुनिश्चित करने, वैकल्पिक भंडारण की व्यवस्था करने और नई अनाज मंडी के निर्माण पर विचार करने की जरूरत बताई। साथ ही कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड से ब्रह्मसरोवर के आसपास पार्किंग और यातायात व्यवस्था दुरुस्त करने की मांग की, ताकि किसानों के साथ श्रद्धालुओं और पर्यटकों को भी राहत मिल सके।

बाल भवन में बाल दिवस प्रतियोगिताओं में बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

प्रतियोगिताओं से बच्चों में आत्मविश्वास और अनुशासन की भावना होती विकसित : सुधा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

बच्चों में छिपी प्रतिभा को निखारने और उन्हें अपनी कला प्रदर्शित करने का मंच उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से बाल भवन में जिला स्तरीय बाल दिवस प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। 21 से 27 अक्टूबर तक चलने वाले इस कार्यक्रम का शुभारंभ समाजसेवी सुगंधा चौधरी ने दीप प्रज्वलित कर किया। प्रतियोगिताओं में जिले के करीब 30 स्कूलों के 250 बच्चों, शिक्षकों और अन्य प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने हस्तलेखन, भाषण, एकल गायन, फन गेम्स और वन एक्ट प्ले सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भाग लिया। समाजसेवी सुगंधा चौधरी ने कहा कि प्रत्येक बच्चे में कोई न कोई विशेष प्रतिभा छिपी होती है। शिक्षा के साथ सांस्कृतिक, रचनात्मक और सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में भागीदारी बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए जरूरी है। ऐसी प्रतियोगिताओं से बच्चों में आत्मविश्वास, अनुशासन, रचनात्मक सोच और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित होती है। जिला बाल कल्याण अधिकारी नीलम ने बताया कि हिंदी हस्तलेखन के प्रथम समूह में डीएवी पब्लिक स्कूल सेक्टर-3 की आन्या प्रथम, डीएवी पब्लिक स्कूल पिहोवा के सुखमन द्वितीय, गीता निकेतन विद्या मंदिर सेक्टर-3 की शिक्षा तृतीय और बाल भवन पब्लिक स्कूल की भव्या सांत्वना पुरस्कार विजेता रही। दूसरे समूह में मॉडल संस्कृति स्कूल की आयुषि प्रथम, डीएवी पब्लिक स्कूल पिहोवा की सान्या द्वितीय, डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल की यासमीन भट्टी तृतीय और डीएसबी इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल निवासी की इनाया को सांत्वना पुरस्कार मिला। अंग्रेजी हस्तलेखन के प्रथम समूह में एमएससी स्कूल की सीरतप्रीत कौर ने प्रथम, डीएवी पब्लिक स्कूल की अहानी ने द्वितीय, धन्ना भगत पब्लिक स्कूल के नवदीप ने तृतीय और विश्वास पब्लिक स्कूल शाहबाद की सान्या ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया। दूसरे समूह में विश्वास पब्लिक स्कूल शाहबाद की मनरूप कौर प्रथम, राष्ट्रीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल की रूहानी द्वितीय, बाबा सिद्धनाथ पब्लिक स्कूल की अवनी शर्मा तृतीय और प्रताप पब्लिक स्कूल की यशवी सांत्वना पुरस्कार विजेता रही।



कुरुक्षेत्र। प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित करते अतिथिगण।

फन गेम्स में हर्ष प्रथम

फन गेम्स के लड़कों के तीसरे समूह में जय भारती विद्या मंदिर वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल के हर्ष ने प्रथम, डिवाइन पब्लिक स्कूल शाहबाद के गौरव ने द्वितीय और राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल अमीन के रमनदास ने तृतीय स्थान हासिल किया। भाषण प्रतियोगिता के तीसरे समूह में डीएवी पब्लिक स्कूल की ओशिका प्रथम, विश्वास पब्लिक स्कूल की भामती द्वितीय, श्री महावीर जैन पब्लिक स्कूल की उमिका रावल तृतीय और सतलुज वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल के सिमरन को सांत्वना पुरस्कार मिला। चौथे समूह में डीएवी पब्लिक स्कूल पिहोवा की खुशी प्रथम, विश्वास पब्लिक स्कूल की द्ववीति द्वितीय, अग्रसेन पब्लिक स्कूल की खुशी गुलिया तृतीय और धन्ना भगत पब्लिक स्कूल की स्नेहा सांत्वना पुरस्कार विजेता रही। वन एक्ट प्ले के चौथे समूह में डीएवी पब्लिक स्कूल की टीम प्रथम, डीएवी पब्लिक स्कूल पिहोवा की टीम द्वितीय, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल अमीन की टीम तृतीय रही।

शरद पूर्णिमा पर चंद्र उपासना व मां लक्ष्मी की आराधना का विशेष महत्व : डॉ. मिश्रा



कुरुक्षेत्र। श्रीदुर्गा देवी मंदिर पिपली के पीठाध्यक्ष ज्योतिषाचार्य एवं वास्तु आचार्य डॉ. सुरेश मिश्रा ने बताया कि सनातन धर्म में शरद पूर्णिमा का विशेष धार्मिक एवं आध्यात्मिक महत्त्व है। आश्विन मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा को मनाया जाने वाला यह पर्व चंद्र उपासना, मां लक्ष्मी की आराधना, भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति तथा दान-पुण्य की परंपराओं से जुड़ा हुआ है। वर्ष 2026 में शरद पूर्णिमा रविवार, 25 अक्टूबर को मनाई जाएगी। प्रचलित धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस रात्रि में चंद्रमा की शीतल चांदनी में खीर रखने और अगले दिन प्रसाद के रूप में ग्रहण करने की परंपरा है। शरद पूर्णिमा को कोजागरी पूर्णिमा तथा रास पूर्णिमा के नाम से भी जाना जाता है। धार्मिक मान्यता है कि इस रात्रि चंद्रमा अपनी सोलह कलाओं से परिपूर्ण होता है। ब्रज परंपरा में यह पर्व भगवान श्रीकृष्ण के महारास से भी जुड़ा है। वहीं, कोजागरी परंपरा में मां लक्ष्मी की पूजा, रात्रि जागरण और सुख-समृद्धि की कामना का विशेष स्थान है। डॉ. मिश्रा ने कहा कि शरद पूर्णिमा की रात्रि में खुले और स्वच्छ स्थान पर खीर रखकर चंद्रमा को अर्पित करना तथा उसे प्रसाद के रूप में ग्रहण करना सदियों से चली आ रही परंपरा है। धार्मिक आस्था में चंद्रमा की किरणों को अमृत तुल्य माना गया है। इस अवसर पर श्रद्धालु चंद्र दर्शन, मंत्र-जप, ध्यान, भजन-कीर्तन और भगवान विष्णु तथा मां लक्ष्मी की पूजा करते हैं। प्रसाद को स्वच्छ, ढककर और सुरक्षित तरीके से रखना आवश्यक है। इस दिन जरूरतमंदों को भोजन, वस्त्र अथवा सामर्थ्य के अनुसार दान देना, परिवार के साथ पूजा करना तथा समाज में प्रेम और सहयोग की भावना बढ़ाना पर्व की सार्थकता को और बढ़ाता है। उन्होंने श्रद्धालुओं से अपील की कि वे पर्व को श्रद्धा, स्वच्छता और सामाजिक सद्भाव के साथ मनाएं।

रेजिन आर्ट एवं सजावटी वस्तुएं निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम

महिलाओं को सिखाया सजावटी वस्तुएं बनाने का हुनर, प्रमाण-पत्र भी बांटे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

नाबार्ड (राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक) के सहयोग से चहक फाउंडेशन की ओर से आयोजित 15 दिवसीय रेजिन आर्ट एवं सजावटी वस्तुएं निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हो गया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को रचनात्मक कौशल का प्रशिक्षण देकर स्वरोजगार के अवसरों से जोड़ना और उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रोत्साहित करना रहा। कार्यक्रम में नाबार्ड के जिला विकास प्रबंधक अरुष शर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहे। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागी महिलाओं को रेजिन आर्ट के माध्यम से विभिन्न प्रकार की सजावटी और कलात्मक वस्तुएं बनाने की बारीकियां सिखाई गईं। साथ ही, अपने हुनर को व्यावसायिक गतिविधियों में बदलकर आय अर्जित करने की संभावनाओं के बारे में भी जानकारी दी गई। इस अवसर पर अरुष शर्मा ने कौशल विकास, ग्रामीण आजीविका को बढ़ावा देने और महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रमों के महत्व पर प्रकाश डाला। समापन समारोह में प्रशिक्षण पूरा करने वाली महिलाओं को प्रमाण-पत्र भी वितरित किए गए। चहक फाउंडेशन के संस्थापक कंवर सिंह ने नाबार्ड का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि महिलाओं को कौशल आधारित प्रशिक्षण देना उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। रेजिन आर्ट जैसे रचनात्मक कौशल महिलाओं को अपनी प्रतिभा निखारने और स्वरोजगार की संभावनाएं तलाशने का अवसर प्रदान करते हैं।



80 शिक्षकों ने लिया योग का प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

हरियाणा योग आयोग, शिक्षा विभाग और पतंजलि योगपीठ हरिद्वार के संयुक्त तत्वावधान में जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट), कुरुक्षेत्र में शारीरिक शिक्षकों के लिए आयोजित 30 दिवसीय जिला स्तरीय विशेष योग प्रशिक्षण शिविर का चौथा दिन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। शिविर में जिले के विभिन्न विद्यालयों से आए करीब 80 पीजीटी (शारीरिक शिक्षा), डीपीई और पीटीआई शिक्षक भाग ले रहे हैं। प्रशिक्षण कार्यक्रम को 15-15 दिन के दो चरणों में आयोजित किया जाएगा। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की प्रेरणा तथा शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा और आयुष मंत्री आरती सिंह राव के मार्गदर्शन में आयोजित इस शिविर का संचालन डाइट प्राचार्य सुधीर कालरा के नेतृत्व में किया जा रहा है। प्रशिक्षण प्रभारी जसविंदर सिंह प्रतिभागियों को मार्गदर्शन दे रहे हैं। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता एवं हरियाणा योग आयोग के सदस्य डॉ. मनीष कुकरेजा ने योग के वैज्ञानिक एवं व्यावहारिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाकर स्वस्थ समाज और सशक्त राष्ट्र के निर्माण में योगदान दिया जा सकता है। उन्होंने शिक्षकों को योग के अभ्यास और उसके लाभों को विद्यार्थियों तक पहुंचाने के लिए प्रेरित किया।

- 30 दिवसीय जिला स्तरीय शिविर का चौथा दिन संपन्न



कांग्रेसियों ने ज्ञानेश कुमार का पुतला फूंका



पिहोवा। वोट बचाओ-देश बचाओ एवं ह्यवोट चोर गद्दी छोड़ो अभियान के तहत शनिवार को पिहोवा में कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का पुतला फूंका गया। हरियाणा कांग्रेस की ओर से 14 से 24 अक्टूबर तक ब्लॉक स्तर पर ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। प्रदर्शन की अगुवाई ग्रामीण ब्लॉक प्रधान करण चट्ठा, इस्माईलाबाद प्रधान मोहनलाल भावरा, कांग्रेस शहरी प्रधान राकेश बधवार तथा पंचायती राज संगठन के जिला अध्यक्ष जसमेर बटेड़ी ने की। कार्यक्रम की शुरूआत शहीदी स्मारक पर पुष्प अर्पित कर की गई। इसके बाद कांग्रेस कार्यकर्ता एकत्रित होकर चौक पर पहुंचे, जहां उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का पुतला दहन कर विरोध जताया। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि मतदाता सूचियों में कथित गड़बड़ियों और वोट चोरी के मुद्दे को लेकर भाजपा सरकार की नीतियों के खिलाफ देशभर में विरोध किया जा रहा है।

स्वस्थ किशोरावस्था की ओर कदम

स्वस्थ शरीर, सकारात्मक सोच और सशक्त अवचेतन मन से बनेगा उज्ज्वल भविष्य : शर्मा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

मनुष्य का सबसे बड़ा धन निरोग शरीर और सबसे बड़ी शक्ति उसका अवचेतन मन है। स्वस्थ शरीर ऊर्जा देता है, शांत मन सही दिशा दिखाता है और सकारात्मक सोच जीवन की चुनौतियों का सामना करने का आत्मविश्वास प्रदान करती है। यह प्रेरक संदेश डीआर जैन न्यूरोकेयर एंड मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल, कुरुक्षेत्र के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. संजय शर्मा ने राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, भादसों में आयोजित 2145वें निःशुल्क चिकित्सा एवं स्वास्थ्य जागरूकता शिविर के दौरान विद्यार्थियों और शिक्षकों को दिया। डॉ. संजय शर्मा ने कहा कि विद्यार्थियों की सफलता केवल अच्छे अंक प्राप्त करने तक सीमित नहीं है, बल्कि स्वस्थ शरीर, संतुलित मन, अनुशासित दिनचर्या, अच्छे संस्कार और आत्मविश्वास से परिपूर्ण व्यक्तित्व का निर्माण भी जरूरी है। उन्होंने अवचेतन मन की भूमिका समझाते हुए कहा कि बार-बार दोहराई जाने वाली आदतें धीरे-धीरे हमारे व्यवहार और व्यक्तित्व का हिस्सा बन जाती हैं। इसलिए विद्यार्थियों को नकारात्मक सोच छोड़कर सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाना चाहिए।



कुरुक्षेत्र। विद्यार्थियों को संबोधित करते चिकित्सक।

अच्छी आदतें हैं स्वास्थ्य की पूंजी

विद्यार्थियों को स्वास्थ्य का महत्व समझाने के लिए डॉ. शर्मा ने स्वास्थ्य बैंक खाते का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार भविष्य की जरूरतों के लिए बैंक में धन जमा किया जाता है, उसी प्रकार अच्छी आदतों के जरिए स्वास्थ्य की पूंजी बढ़ाई जा सकती है। पर्याप्त नींद, संतुलित एवं पौष्टिक आहार, नियमित खेलकूद, व्यायाम, प्राणायाम, स्वच्छता और सकारात्मक सोच स्वस्थ जीवन की नींव हैं। इसके विपरीत जंक फूड का अधिक सेवन, देर रात तक मोबाइल चलाना, शारीरिक निष्क्रियता और अनियमित दिनचर्या स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा सकती हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को मोबाइल का विवेकपूर्ण उपयोग करने, पढ़ाई के साथ खेलकूद को महत्व देने और परीक्षा के तनाव से घबराने के बजाय नियमित तैयारी करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ने पर विद्यार्थियों को माता-पिता और शिक्षकों से मार्गदर्शन लेना चाहिए। विद्यालय की प्रिंसिपल वंदना रानी ने डॉ. संजय शर्मा का स्वागत करते हुए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि विद्यालय का उद्देश्य विद्यार्थियों को शैक्षणिक ज्ञान देने के साथ उनमें आत्मविश्वास, सकारात्मक सोच, अच्छे संस्कार और जीवन की चुनौतियों का सामना करने की क्षमता विकसित करना भी है। इस अवसर पर रुपिंदर कौर, जगबीर, नितिका, नीलम गुलशन, नीलम रानी, रूपी कौर, चंदर किरण, गीता रानी, रेखा रानी, वर्षा मीनाक्षी, सुनीता, ऋतु, सुमन, पुष्पा, सरोज सहित विद्यालय के अन्य शिक्षक-शिक्षिकाएं और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

न्यूज डायरी

मोबाइल मेडिकल यूनिट में लोगों ने लिया लाभ

कुरुक्षेत्र। नवीन जिन्दल फाउंडेशन की ओर से शनिवार को ओपी जिन्दल पार्क में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर लगाया गया। शिविर में 278 लोगों ने स्वास्थ्य जांच और चिकित्सकीय परामर्श का लाभ उठाया। आधुनिक चिकित्सा उपकरणों से सुसज्जित मोबाइल मेडिकल वैन के साथ पहुंची डॉक्टरों की टीम ने लोगों की जांच की और जरूरत के अनुसार मौके पर ही निःशुल्क दवाइयां वितरित की। शिविर में सामान्य स्वास्थ्य जांच के साथ बीपी, ब्लड शुगर और अन्य जरूरी जांचों पर विशेष ध्यान दिया गया। 53 मरीजों के यूरिन टेस्ट भी किए गए। डॉक्टरों ने लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करते हुए समय पर जांच कराने और नियमित दिनचर्या अपनाने की सलाह दी।



दया रानी के नेत्रदान से दो को मिलेगी रोशनी

कुरुक्षेत्र। स्वर्गीय दया रानी धर्मपत्नी स्वर्गीय जय प्रकाश के नेत्रदान से 2 नेत्रहीनों को रोशनी मिलेगी। सामाजिक संस्था हम फाउंडेशन के प्रयास से नेत्रदान करवाया गया। स्वर्गीय श्रीमती दया रानी के पुत्र क्रांति चावला ने बताया कि उनके परिवार की इच्छा थी कि उनकी माता की आंखें किसी नेत्रहीन के काम आए। इसी इच्छा के अनुसार ही आज उनका नेत्रदान करवा गया। हम फाउंडेशन के अध्यक्ष संजय चौधरी ने कहा कि हमारे देश में नेत्रों की जरूरतों के हिसाब से नेत्रदानी बहुत कम है। हमे नेत्रदान ना करने के अंधविश्वास से बाहर निकलना चाहिए। हमारे इस दान से दो नेत्रहीनों को रोशनी मिल सकती है। मृत्युपरांत शरीर मिट्टी बन जाता है लेकिन अगर ये किसी के काम आ जाए तो उससे अच्छा कार्य कोई नहीं है। स्वर्गीय दया रानी के परिवारवालों का नेत्रदान करवाना बाकी समाज के लिए प्रेरणा है व अन्य लोगों को भी उनका अनुसरण करना चाहिए। संस्था का प्रयास है कि नेत्रदान के प्रति समाज में जागरूकता आए। स्वर्गीय दया रानी के सुपुत्र क्रांति चावला अनेक सामाजिक संस्थाओं से जुड़े हुए हैं और समाज में शिक्षा की अलख जगाने के लिए पुरजोर प्रयास कर रहे हैं।



एनपीसी हरियाणा बॉडी बिल्डिंग स्पर्धा आज

कुरुक्षेत्र। धर्मनगरी कुरुक्षेत्र में रविवार 25 अक्टूबर को एनपीसी हरियाणा द्वारा बॉडी बिल्डिंग चैंपियनशिप का आयोजन होने जा रहा है। मल्टीआर्ट कल्चरर सेंटर परिसर में दोपहर 2 बजे से शुरू होने वाली प्रतियोगिताओं में खेल मंत्री गौरव गौतम तथा पूर्व मंत्री सुभाष सुधा शामिल होंगे। एनपीसी हरियाणा के प्रदेशाध्यक्ष नरेंद्र चौहान राजू ने बताया कि एनपीसी हरियाणा के चेयरमैन महावीर मद्दान, जिलाध्यक्ष नरेंद्र शर्मा निंदी, भाजपा जिला उपाध्यक्ष साहिल सुधा के मार्गदर्शन में आयोजित हो रही इस चैंपियनशिप में देशभर से लगभग 250 प्रतिभागी भाग लेंगे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में मार्किट कमेटी थानेसर के चेयरमैन सुरेश सैनी कुक्कू, जिला परिषद के वाइस चेयरमैन धर्मपाल चौधरी डीपी, भाजपा जिला उपाध्यक्ष संजीव सीकरी, एस.डी. स्कूल के चेयरमैन विकास शर्मा शामिल होंगे।

प्रतियोगिता में सतलुज स्कूल के विद्यार्थी प्रथम



शाहबाद। सतलुज सीनियर सेकेंडरी स्कूल, शाहाबाद मारकंडा के विद्यार्थियों ने विज्ञान के क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम रोशन किया है। विद्यालय के विद्यार्थियों ने अंबाला कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड एप्लाइड रिसर्च, देवस्थली, अंबाला में आयोजित 18वें साइंस एंड टेक्नोलॉजी फेयर में फिजिक्स प्रोजेक्ट प्रस्तुति प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त कर उत्कृष्ट उपलब्धि हासिल की। विद्यालय के प्राचार्य डॉ. रघबीर सिंह घुम्मन ने जानकारी देते हुए बताया कि विद्यालय के विद्यार्थियों नवरीत कौर, शगुन, अक्षित और ऐश्वर्या ने प्रोजेक्ट प्रस्तुत किया, जिसे निर्णायकों द्वारा सराहा गया।

रत्नावली महोत्सव में हरियाणवी संस्कृति और आधुनिक तकनीक का संगम बनेगी मीडिया चौपाल

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा के मार्गदर्शन में हरियाणा की समृद्ध लोक संस्कृति, परंपराओं और आधुनिक संचार माध्यमों को एक मंच पर लाने के उद्देश्य से रत्नावली महोत्सव-2026 में हरियाणवी मीडिया चौपाल का आयोजन किया जाएगा। 30 अक्टूबर से 2 नवंबर तक आयोजित होने वाले रत्नावली महोत्सव में हिंदी विभाग के अध्यक्ष प्रो. महासिंह पूनिया की अगुवाई में मीडिया चौपाल का आयोजन किया जाएगा, जबकि जनसंचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी संस्थान (आईएमसीएमटी) इसमें सहयोग करेगा। यह पहल हरियाणवी लोक संस्कृति को नई पीढ़ी से जोड़ने के साथ-साथ आधुनिक मीडिया के माध्यम से व्यापक स्तर पर प्रचारित एवं प्रसारित करने का प्रभावी मंच बनेगी।

खबर संक्षेप

वाल्मीकि प्रकाशोत्सव पर निकाली प्रभात फेरी



मुलाना। गांव डुलियाना में भगवान वाल्मीकि के प्रकाशोत्सव के पावन अवसर पर 10 दिवसीय प्रभात फेरी का आयोजन किया जा रहा है। प्रभात फेरी के दौरान भगवान वाल्मीकि के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। श्रद्धालुओं ने सुबह की पहली किरण के साथ प्रभु का स्मरण किया और श्रद्धा एवं भक्ति भाव से इस धार्मिक आयोजन में भाग लिया। प्रभात फेरी के दौरान श्रद्धालुओं ने भगवान वाल्मीकि की महिमा का गुणगान किया तथा उनके जीवन और शिक्षाओं को याद किया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। आयोजन का उद्देश्य भगवान वाल्मीकि की शिक्षाओं का प्रचार-प्रसार करने के साथ-साथ समाज में प्रेम, एकता, सद्भाव और भाईचारे की भावना को मजबूत करना है। ऐसे धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन हमारी गौरवशाली परंपराओं को सहेजने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस अवसर पर संरक्षक संतोष फौजी सहित गुरमीत, रोहित, संजीव, हेमंत, विशाल, लक्की, गर्व, सुमित, लोकित, अरुण, विराट, ध्रुव, मनीषा, कल्पना सहित अन्य श्रद्धालु मौजूद रहे।

कॉलोनी में जांच कर रही पुलिस, चिट्टा तस्करी में भी हो चुकी है कार्रवाई

डेहा कॉलोनी में सर्च अभियान 52 दोपहिया वाहन किए इंपाउंड

डेहा कॉलोनी में संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों पर नजर रखने के लिए पुलिस लगातार कर रही पैदल गश्त : इंचार्ज एएसआई जयपाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अंबाला



अंबाला। डेहा कॉलोनी से जब्त वाहन। फोटो : हरिभूमि

अंबाला शहर की डेहा कॉलोनी में नशा तस्करी और आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस ने सख्ती बढ़ा दी है। पिछले एक माह में पुलिस चौकी नंबर-4 की टीम ने कार्रवाई करते हुए 52 दोपहिया वाहन इंपाउंड किए हैं। इनमें करीब 50% वाहन बिना नंबर प्लेट के मिले, जबकि 40% पर पंजाब के नंबर दर्ज थे। पुलिस के सत्यापन में अब तक 4 वाहन चोरी के पाए गए हैं। बाकी वाहनों की भी जांच की जा रही है। पुलिस चौकी नंबर-4 के इंचार्ज एएसआई जयपाल के अनुसार, डेहा कॉलोनी में संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों पर नजर रखने के लिए लगातार पैदल गश्त की जा रही है। जिन वाहनों पर नंबर प्लेट नहीं होती या जो संदिग्ध परिस्थितियों में घूमते मिलते हैं, उनकी जांच कर नियमानुसार कार्रवाई की जाती है। कई वाहनों के साइलेंसर भी गायब मिले हैं। इसी कार्रवाई के दौरान एक बाइक का 21 हजार रुपए का चालान भी किया गया है। डेहा कॉलोनी को नशा तस्करी के लिहाज से संवेदनशील क्षेत्र माना जाता है। पुलिस के अनुसार, यहां नशा तस्करी के मामलों में शामिल आरोपियों के खिलाफ पहले भी कार्रवाई की जा चुकी है। नशे से अर्जित अवैध संपत्तियों पर शिकंजा कसते हुए हाल ही में करीब 12 मकानों को सील करने की कार्रवाई भी की गई थी।

इस साल चिट्टा तस्करी में 250 से ज्यादा पकड़े

एसपी अजीत सिंह शेखावत के निर्देश पर जिले में नशा तस्करों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस के अनुसार, जनवरी से अब तक चिट्टा तस्करी के मामलों में 250 से अधिक आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। पुलिस का फोकस नशे की सप्लाई चेन तोड़ने और तस्करी से अर्जित अवैध संपत्तियों के खिलाफ कार्रवाई करने पर है। चौकी इंचार्ज जयपाल ने कहा कि डेहा कॉलोनी और आसपास के क्षेत्रों में गश्त व निगरानी बढ़ाई जाएगी। पुलिस ने लोगों से नशा तस्करी या संदिग्ध गतिविधियों की सूचना हेल्पलाइन नंबर 9729990112 पर देने की अपील की है।

कई महीने से पानी की पाइपलाइन लीक गंदे पानी से बीमारी फैलने का खतरा

- ऑनलाइन शिकायत के बाद भी नहीं हुई कार्रवाई, स्कूली छात्र बेहद परेशान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मुलाना



मुलाना। पाइपलाइन लीकेज के कारण गली में खड़ा पानी। फोटो : हरिभूमि

कस्बा के कन्या प्राथमिक पाठशाला के गेट के बिल्कुल पास में पिछले कई महीनों से पीने के पानी की पाइपलाइन लीक होने के कारण छात्रों व स्थानीय निवासियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पाइपलाइन से लगातार पानी का रिसाव होने के चलते एक ओर जहां गली से गुजरने वाले लोगों को दिक्कत हो रही है वहीं दूसरी ओर दूषित पानी की आपूर्ति होने की आशंका से लोगों के स्वास्थ्य पर भी खतरा मंडरा रहा है। यहां गहरा गड्ढा होने से अब हादसे की आशंका बढ़ गई है। लोगों का कहना है कि पानी की पाइपलाइन में लीकेज की समस्या लंबे समय से बनी हुई है, लेकिन संबंधित विभाग की ओर से अब तक इसका स्थायी समाधान नहीं किया गया। लोगों को आशंका है कि पाइपलाइन में लीकेज के कारण गंदा पानी पेयजल आपूर्ति में मिल सकता है। यदि समय रहते समस्या का समाधान नहीं किया गया, तो इससे जलजनित बीमारियां फैलने का खतरा पैदा हो सकता है। यहां के रहने वाले राजेश कुमार ने बताया कि इस समस्या को लेकर उन्होंने जन स्वास्थ्य विभाग में ऑनलाइन शिकायत भी दर्ज करवाई है। कई दिन बीत जाने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि पीने के पानी से जुड़ी समस्या को गंभीरता से लिया जाना चाहिए, क्योंकि इसका सीधा संबंध लोगों के स्वास्थ्य से है। पाइपलाइन की लीकेज को जल्द ठीक करना और स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित करना विभाग की प्राथमिकता होनी चाहिए। यहां के करण,बन्नी, शामलाल, राजेश, मुकेश, दीपक ने जन स्वास्थ्य विभाग से मांग की है कि मौके का निरीक्षण कर पाइपलाइन की लीकेज को जल्द ठीक करवाया जाए। जेई कुलदीप सिंह ने कहा कि इस समस्या का सोमवार को समाधान कर दिया जाएगा

रघुवीर पीजी कॉलेज में शोध पद्धति पर हुई एक दिवसीय कार्यशाला



अंबाला। अंबाला छावनी के रघुवीर गवर्नमेंट पीजी कॉलेज के अंग्रेजी विभाग ने शोध पद्धति पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। यह कार्यशाला बी.ए. अंग्रेजी ऑनर्स और एम.ए. अंग्रेजी के छात्रों के लिए आयोजित की गई थी, जिसका उद्देश्य उन्हें अकादमिक शोध के मूलभूत सिद्धांतों, विधियों और प्रथाओं से परिचित कराना था। कार्यक्रम का शुभारंभ पंचकुला के सेक्टर 1 स्थित सरकारी पीजी कॉलेज में अंग्रेजी विभाग की सहायक प्रोफेसर गुरप्रीत कौर के हार्दिक स्वागत के साथ हुआ। कार्यशाला का उद्देश्य छात्रों में शोध क्षमता विकसित करना और उन्हें अंग्रेजी साहित्य और संबंधित क्षेत्रों में व्यवस्थित एवं विद्वतापूर्ण शोध करने के लिए आवश्यक कौशल से लैस करना था। वर्कशॉप में विशेषज्ञ ने शोध पद्धति की अवधारणा और महत्व, शोध समस्याओं की पहचान और निरूपण, शोध विषयों के चयन और स्पष्ट शोध प्रश्न एवं उद्देश्य निर्धारित करने के महत्व पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने साहित्यिक शोध के विभिन्न दृष्टिकोणों पर भी बात की, जिनमें पाठ्य विश्लेषण, आलोचनात्मक व्याख्या और प्राथमिक एवं द्वितीयक स्रोतों का उपयोग शामिल है।

जोनल महोत्सव में हरियाणवी डांस से छात्राओं ने दिखाई अपनी प्रतिभा

अंबाला। शिक्षा एवं संसदीय कार्य मंत्री महिपाल ढांडा ने कहा कि युवा देश की सबसे बड़ी ताकत और भविष्य हैं। शिक्षा के साथ कला, साहित्य और संस्कृति का समन्वय युवाओं के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। ऐसे आयोजन विद्यार्थियों की प्रतिभा को निखारने, आत्मविश्वास बढ़ाने और उन्हें समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने का सशक्त माध्यम हैं। ढांडा अंबाला छावनी के गांधी मेमोरियल नेशनल (जीएमएन) कॉलेज में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के युवा एवं सांस्कृतिक विभाग के तत्वावधान में आयोजित 49वें जोनल युवा महोत्सव के समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। इससे पहले कैबिनेट मंत्री का पहुचने पर पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया। मंत्री ने कॉलेज के विकास एवं गतिविधियों के लिए 11 लाख रुपये देने की घोषणा की तथा विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता प्रतिभागियों और कॉलेजों को पुरस्कार एवं ट्रॉफियां प्रदान कर सम्मानित किया। शिक्षा मंत्री ने कहा कि युवा महोत्सव विद्यार्थियों को अपनी रचनात्मक क्षमताओं को प्रदर्शित करने और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना



विकसित करने का अवसर प्रदान करते हैं। कॉलेज प्रबंधन समिति के अध्यक्ष डॉ. गुरदेव सिंह ने महोत्सव के सफल आयोजन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए मुख्य अतिथि मंत्री महिपाल ढांडा का आभार जताया। प्राचार्य डॉ. रोहित दत्त ने भी आयोजन की सफलता में योगदान देने के लिए कुवि के युवा एवं सांस्कृतिक विभाग, निर्णायक मंडल, प्राध्यापकों, आयोजन समिति और प्रतिभागियों के सहयोग की सराहना की। इस अवसर पर राजिंदर विज, जीएमएन सोसायटी के प्रधान जसवंत जैन, महासचिव अजय अग्रवाल, कोषाध्यक्ष आलोक गुप्ता, सचिव डीएस माथुर, प्रेम सागर शर्मा, डॉ. सुभाष धमीजा भी मौजूद रहे।

शिविर में शिक्षकों को सिखाए आपात स्थिति से निपटने के गुर

बराड़ा। शैमफोर्ड फ्यूचरिस्टिक स्कूल में सीबीएसई के क्षमता निर्माण कार्यक्रम के तहत शिक्षकों के लिए आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें रिसोर्स पर्सन प्रोमिला सिंघल और आशीष गुप्ता ने शिक्षकों को प्राकृतिक एवं मानवजनित आपदाओं से निपटने, बचाव के उपायों और आपातकालीन परिस्थितियों में विद्यार्थियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रार्थना के साथ हुआ। इसके बाद अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया। विद्यालय प्रबंधन की ओर से रिसोर्स पर्सन का स्वागत किया गया और उन्हें पौधे भेंट किए गए। इस पहल के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान भूकंप, आग लगने जैसी आपातकालीन परिस्थितियों में बरती जाने वाली सावधानियों पर विशेष चर्चा की गई।





विद्यार्थियों ने अधोया के सरकारी स्कूल का किया शैक्षणिक भ्रमण

बराड़ा। स्कूल शिक्षा निदेशालय के निर्देशानुसार ट्विनिंग प्रोग्राम के तहत पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय उगाला के विद्यार्थियों ने राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय अधोया का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस दौरान विद्यार्थियों ने प्रयोगशालाओं का अवलोकन कर तकनीक के व्यावहारिक उपयोग की जानकारी हासिल की। साथ ही विभिन्न खेलकूद और रचनात्मक प्रतियोगिताओं में भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों के दल का नेतृत्व पीजीटी फिजिक्स पूजा शर्मा और पीजीटी राजनीतिक विज्ञान संदीप खोखर ने किया। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने अधोया स्कूल की अटल टिंकरिंग लैब, फिजिक्स लैब और ब्यूटी केयर लैब का अवलोकन किया। उन्होंने प्रयोगशालाओं में उपलब्ध उपकरणों और सुविधाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। दोनों विद्यालयों के विद्यार्थियों के बीच आपसी मेलजोल और सहयोग बढ़ाने के उद्देश्य से खो-खो, मेहंदी और साइंस क्विज प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।

ठेकेदार-मजदूरों की लड़ाई लड़ेगी यूनियन, टहल सिंह बने प्रधान

अंबाला। ठेकेदार व मजदूरों के हक की लड़ाई लड़ने के लिए विश्वकर्मा कंस्ट्रक्शन कांट्रेक्टर लेबर ट्रेड यूनियन का गठन किया गया है। यूनियन के गठन को लेकर तमाम ठेकेदारों की अहम मीटिंग हुई। मीटिंग की अध्यक्षता अजय चावला ने की। विचार विमर्श करने के बाद सहमति से टहल सिंह को यूनियन का प्रधान बनाया गया जबकि जसपाल सिंह बावा को महासचिव की जिम्मेदारी दी गई। सोहन लाल धीमान को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया है जबकि त्रिलोचन सिंह यूनियन के उपप्रधान होंगे। यूनियन में चेयरमैन की भूमिका विधि चंद धीमान, निशान सिंह व विनोद कुमार को दी गई है। ओमप्रकाश धीमान को ज्यूरी सदस्य नियुक्त किया गया। कार्यकारिणी में कुलदीप सिंह बॉबी को उपप्रधान जबकि विजय कुमार, सुशील धीमान, मनीष, विशाल व डिंपल को यूनियन में कार्यकारिणी सदस्य की जिम्मेदारी दी गई है। प्रधान की जिम्मेदारी मिलने के बाद टहल सिंह ने सभी ठेकेदारों को भरोसा दिलाया कि वे यूनियन की मजबूती के साथ ठेकेदार व मजदूरों के हक की आवाज बुलंद करने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। उन्होंने बताया कि मौजूदा दौर में ठेकेदार व मजदूर कई तरह की दिक्कतों से जूझ रहे हैं। ऐसे में उनकी दिक्कतों के समाधान के लिए बेहतर प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों के जरिए ठेकेदार व मजदूरों की मांगों को राज्य व केंद्र सरकार तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने बताया कि ठेकेदार व मजदूर समाज के शिल्पकार हैं।



प्रो. स्टाइल कबड्डी में खिलाड़ियों ने किया फुर्ती और ताकत का शानदार प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मुलाना



गुरु तेग बहादुर साहिब कबड्डी क्लब की ओर से चौधरी फूलचंद क्रीड़ा आंगन में प्रो कबड्डी टूर्नामेंट का आयोजन कराया गया। प्रतियोगिता में कईं टीमों ने भाग लिया। टूर्नामेंट में खिलाड़ियों ने अपने शानदार खेल का प्रदर्शन किया। इस प्रतियोगिता में प्रो स्टाइल कबड्डी के मुकाबले करवाए गए, जिनमें खिलाड़ियों ने अपनी फुर्ती, ताकत और खेल कौशल का शानदार प्रदर्शन किया। मुकाबलों को देखने के लिए खेल प्रेमियों में भी उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम में समाजसेवी नरेंद्र सिंह बिल्मा ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की, जबकि सीआईए इंचार्ज सुरेंद्र मेहला विशिष्ट अतिथि के रूप में पहुंचे। इस अवसर पर सीआईए इंचार्ज सुरेंद्र मेहला ने कहा कि खेल न केवल शारीरिक और मानसिक विकास में सहायक होते हैं, बल्कि युवाओं में अनुशासन, आत्मविश्वास, मेहनत और टीम भावना भी विकसित करते हैं। ऐसे खेल आयोजनों से ग्रामीण क्षेत्र की प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर मिलता है। लड़कियों की खेलों में बढ़ती भागीदारी समाज के लिए सकारात्मक संकेत है और इससे अन्य बेटियों को भी खेलों में आगे आने की प्रेरणा मिलती है। इस मौके पर क्लब सदस्यों ने अतिथियों को स्मृति चिह्न भेंट कर आभार जताया।इस मौके पर पूर्व सरपंच नरेश चौहान भी विशेष रूप से मौजूद रहे।

गांधी स्मारक पर लगाई प्रदर्शनी में डाक टिकट संग्रह की कला व बारीकियां पर जानकारियां दी



चंडीगढ़। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान रखने वाले स्टाम्प संग्राहक राकेश वालिया ने चंडीगढ़ के सेक्टर-16 स्थित गांधी स्मारक में एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया, जिसमें उन्होंने डाक टिकट संग्रह करने की कला, इसकी बारीकियों और इसके महत्व के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर उन्होंने प्रतिभागियों को बताया कि डाक टिकट केवल पत्र भेजने का माध्यम नहीं, बल्कि इतिहास, संस्कृति, महापुरुषों और देश की विरासत को संजोने का एक अनूठा साधन भी हैं। इसके साथ ही, सेक्टर-17 स्थित खादी भंडार, चंडीगढ़ में महात्मा गांधी जी पर आधारित डाक टिकटों की विशेष प्रदर्शनी भी लगाई गई। प्रदर्शनी में गांधी जी के जीवन, विचारों और योगदान को दर्शाने वाले टिकटों के माध्यम से उनके आदर्शों को याद किया गया।इस पहल का उद्देश्य लोगों, विशेषकर युवाओं में डाक टिकट संग्रह के प्रति रुचि बढ़ाना तथा महात्मा गांधी के विचारों और विरासत को जन-जन तक पहुंचाना था।

कला व साहित्य मंच ने गोष्ठी में सजाए उत्सव के रंग, गीतों व नृत्य से भरी मिठास

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पंचकूला



सीनियर सिटीजन काउंसिल सेक्टर 15 के सभागार में कला एवं साहित्य मंच द्वारा 'उत्सव' थीम पर आयोजित गोष्ठी में उल्लास, रंग और मिठास का अनोखा संगम देखने को मिला। इसमें 37 सदस्यों ने अपनी प्रतिभा दिखाई। इस कार्यक्रम में विशेष तौर पर काउंसिल की मैनेजमेंट टीम को आमंत्रित किया गया तथा सदस्यों ने स्वयं हॉल की सुन्दर साज सज्जा की।काउंसिल उपप्रधान एस एल मित्तल, जनरल सेकेटरी अविनाश मेहता, सचिव एच सी गेरा व वित सचिव जयपाल गर्ग तथा कला साहित्य मंच की चेयरपर्सन डॉ. नीरू मित्तल नीर, सचिव आभा साहनी, कार्यकारिणी सदस्य सुनील मिनोचा और शशि चड्ढा ने माँ सरस्वती और गणेश जी की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित किया और पुष्पांजलि अर्पित की। सुनील मिनोचा ने श्रद्धापूर्वक सरस्वती वन्दना प्रस्तुत की। नीरू मित्तल ने मेहमानों का स्वागत करते हुए त्योहारों के महत्व और रिश्तों की मिठास के बारे में चर्चा की। शशि चड्ढा और आभा साहनी ने मंच संचालन का दायित्व बखूबी निभाया ।सुनील मिनोचा ने कविता- 'जिंदगी हँसने गाने के लिए है' गा कर खूब तालियाँ बटोरी। आभा साहनी के गीत 'मुंडा लंबड़ा दा' पर सभी खूब झूमे नाचे। शशि चड्ढा ने मोहक भजन 'श्याम चंदा है' सुनाकर भाव विभोर कर दिया।

एसके जैन स्कूल में पूर्व छात्र मिलन समारोह

अंबाला। एसए जैन मॉडल स्कूल में पूर्व छात्र मिलन समारोह आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में 1987, 1988, 1989 और 1990 के बैच के पूर्व छात्रों का स्वागत किया गया। इस विशेष अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में समाजसेवी सुरेंद्र कुमार जैन उपस्थित थे। उनके साथ सुभाष जैन भी मौजूद रहे। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में मुख्य अतिथि की भावपूर्ण गायन



प्रस्तुति, डॉ. शमा (1988 बैच) का प्रेरणादायक संबोधन, पूर्व छात्रों द्वारा दी गई संगीतमय प्रस्तुति और कई मनोरंजक खेल शामिल थे। प्रबंधक समिति के प्रधान रजत जैन, उपाध्यक्ष डॉ. विनीत जैन, सचिव हितेश जैन, प्रबंधक रितेश जैन, कोषाध्यक्ष सुनील जैन और प्रबंध समिति के सलाहकार रविकांत रहे।

दीपावली पर रात्रि 8 से 10 बजे तक चलेंगे पटाखे

अंबाला। जिलाधीश एवं उपायुक्त सचिन गुप्ता ने कहा कि अदालत और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आदेशों की पालना पर जिले में 8 नवंबर 2026 से लेकर 31 जनवरी 2027 तक पटाखे बनाने, बेचने और चलाने पर प्रतिबंध रहेगा। इन आदेशों के अनुसार केवल ग्रीन पटाखों का प्रयोग दीपावली, क्रिसमस, नववर्ष, गुरू पर्व व अन्य त्यौहारों पर निर्धारित समय अवधि के लिए छूट प्रदान की जाएगी। इन आदेशों की अवहेलना करने पर भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता एक्सपलोसिव एक्ट 1884 व एक्सपलोसिव रूल 2008 के तहत कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। जिलाधीश ने जारी आदेशों में कहा है कि धारा 163, भारतीय नागरिक संहिता, दि एक्सप्लोसिव एक्ट-1884 व दि एक्सप्लोसिव नियमों को जहन में रखते हुए जिले में ग्रीन पटाखों को छोडक़र दूसरे पटाखे बनाने, बेचने, चलाने पर पूर्णतः प्रतिबंध रहेगा।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20, फोन : 8295154800, 9253681010, 9253681005

महारानी पद्मावती कॉलेज में वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का समापन

100 मी रेस में बाजी मारकर शालिनी बनी बेस्ट एथलीट

खेल प्रतियोगिताएं छात्रों के सर्वांगिण विकास व नेतृत्व के गुणों को लाती है बाहर : डॉ.मीनाक्षी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अंबाला

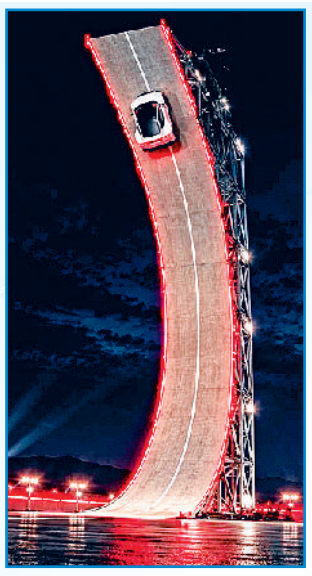


अंबाला। विजेता छात्रों को सम्मानित करते शिक्षक।

महारानी पद्मावती राजकीय महिला महाविद्यालयमें 8वीं वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का भव्य समापन हुआ। दो दिवसीय इस खेलकूद महाकुंभ में छात्राओं ने विभिन्न स्पर्धाओं में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। कार्यक्रम का सफल आयोजन शारीरिक शिक्षा विभाग की विभागाध्यक्ष व स्पोर्ट्स बोर्ड की संयोजिका डॉ. प्राची मान की देखरेख में संपन्न हुआ। मंच संचालन की कमान डॉ. निर्मल सिंह ने संभाली। समापन अवसर पर मॉडर्न स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, बड़ागढ़ की प्रसिद्ध हॉकी कोच रेणु ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। कॉलेज परिसर पहुंचने पर कॉलेज की प्राचार्या डॉ. मीनाक्षी और आयोजन समिति ने मुख्य अतिथि का गर्मजोशी से स्वागत किया। मुख्य अतिथि रेणु ने छात्राओं को खेलों का महत्व समझाते हुए जीवन में निरंतर आगे बढ़ने और खेलों को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित किया। प्राचार्या डॉ. मीनाक्षी ने सभी प्रतिभागी छात्राओं की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताएं छात्राओं के सर्वांगीण विकास में सहायक होती हैं और उनके भीतर छिपे नेतृत्व व अनुशासन के गुणों को बाहर लाती हैं।100 मीटर दौड़ में शालिनी ने प्रथम, रितु ने द्वितीय और मनप्रीत ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार 200 मीटर दौड़ में एक बार फिर शालिनी प्रथम रहीं जबकि रितु ने दूसरा और वंशिका ने तीसरा स्थान हासिल किया। 400 मीटर रिले रेस के रोमांचक मुकाबले में ख़ुशी, कृति, महक और स्नेहा की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि रितु, रितिका, मोनिका और शालिनी की टीम दूसरे तथा गीतांजलि, अर्पणा, तरणदीप और मुस्कान की टीम तीसरे स्थान पर रही। वहीं 200 मीटर रिले रेस में शालिनी और स्नेहा की जोड़ी ने बाजी मारते हुए प्रथम स्थान हासिल किया, मनविंदर कौर और नरसीरत कौर द्वितीय स्थान पर रहीं, तथा निशु रानी और गीतांजलि रानी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।लंबी कूद स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए शालिनी ने एक बार फिर प्रथम स्थान अपने नाम किया, जबकि तमन्ना द्वितीय और वंशिका तृतीय स्थान पर रहीं।

हरिभूमि रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
P-1
रोहतक,रविवार 25 अक्टूबर 2026

इन दिनों हर तरफ एलन मस्क की टेस्ला रोडस्टर कार को लेकर रॉकेट तकनीक और उड़ने की क्षमताओं से जुड़ी चर्चाएं हो रही हैं। रोडस्टर की प्रस्तावित उत्पादन समय सीमा 2028 बताई गई है। उड़ती हुई कारें निश्चित रूप से भविष्य के परिवहन का एक हिस्सा बन सकती हैं। लेकिन अभी इसे हकीकत बनने में कई सवालों और चुनौतियों का सामना करना होगा।





क्या सच होने वाला है उड़ती कार का सपना !

{ कवर स्टोरी / लोकमित्र गौतम }

उड़ती हुई कारों का सपना अब केवल विज्ञान कथाओं, हॉलीवुड फिल्मों और भविष्य की कल्पनाओं तक सीमित नहीं है। गुजरे 15 अक्टूबर 2026 को टेक्सास में टेस्ला की ऐसी ही उड़न कार नई रोडस्टर के प्रदर्शन ने इस अनुमान को और मजबूत किया है। एलन मस्क की टेस्ला के अलावा भी दुनिया की कई कंपनियां ऐसी कारों के विकास में काफी हद तक सफल हो चुकी हैं या इसके नजदीक पहुंच चुकी हैं, जो सड़क पर कार की तरह चलने के बजाय हवा में उड़ सकेंगी। कहीं इन्हें फ्लाइंग कार कहा जा रहा है, कहीं इलेक्ट्रिक वर्टिकल टेकऑफ एंड लैंडिंग यानी ईवीटीओएल और कहीं एयर टैक्सी। लेकिन एक बुनियादी सवाल अब भी रह-रहकर जेहन में आ रहा है कि क्या हम सचमुच उड़ती हुई कारों के युग की दहलीज पर खड़े हैं या तकनीक की चमक ने भविष्य की तस्वीर को वास्तविकता से कहीं ज्यादा आकर्षक बना दिया है? इस बात को समझना होगा कि सड़क पर चलने वाली कार, रॉकेट से जुड़ा प्रदर्शन और यात्रियों को लेकर उड़ने वाला प्रमाणित विमान- तीनों अलग-अलग चीजें हैं। भविष्य की परिवहन क्रांति को समझने के लिए इस अंतर को ध्यान में रखना जरूरी है।



कई देशों में बन रही ईवीटीओएल



नीदरलैंड में निर्मित पाल-वी लिबर्टी कार

आसान नहीं सपने का सच होना

बीते 15 अक्टूबर 2026 को एलन मस्क ने स्पेसएक्स की तकनीक से जुड़े थ्रस्टरों की मदद से अमेरिका के टेक्सास में अपनी बहुचर्चित और बहुप्रतीक्षित टेस्ला की नई रोडस्टर कार को एक घुमावदार रैंप से हवा में उछलते, पलटते और जमीन पर उतरते दिखाया और अपनी सपनीली उड़न कार को लेकर असाधारण दावे भी किए हैं। इसके बाद से उड़न कार की चर्चाएं एक बार फिर से सुर्खियों में आ गई हैं। लेकिन उड़ान के जानकारों के मुताबिक इस प्रदर्शन को सामान्य अर्थों में उड़ने वाली कार का प्रमाण नहीं माना जा सकता। कुछ क्षण हवा में उछलना और नियंत्रित उड़ान भरकर यात्रियों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाना बिल्कुल अलग बात है। हालांकि इस घटना का महत्व फिर भी कम नहीं है। इसने एक बार फिर दिखाया कि सड़क परिवहन और एयरोस्पेस तकनीक के बीच की दूरी घटाने की महत्वाकांक्षा कितनी बड़ी हो चुकी है। मगर भविष्य की असली परीक्षा रोमांचक प्रदर्शन नहीं बल्कि सुरक्षा, उपयोगिता, लागत और नियामकीय मंजूरी होगी। साथ ही इसकी जोर-शोर से हो रही तैयारियों के बीच यह सवाल भी वाजिब है कि क्या हर कार को उड़ने की जरूरत होगी?

वास्तविकता को समझना होगा

फ्लाइंग कार से जुड़े सवालों का जवाब समझने के लिए पहले इसकी दो अलग अवधारणाओं को समझना होगा। पहली यह कि ऐसी कार, जो सड़क पर भी चल सके और जरूरत पड़ने पर उड़ भी सके। दूसरी है इलेक्ट्रिक एयर टैक्सी, जो सड़क पर चलने वाली कार नहीं बल्कि छोटी उड़ने वाली कार या मशीन है। इसे ही आमतौर पर ईवीटीओएल कहा जाता है यानी टैक्सी के रूप में एक विमान, जो बिजली से उड़ता हो और हेलीकॉप्टर की तरह सीधे ऊपर उठ सके और नीचे उतर सकता हो।

यह दूसरी अवधारणा फिलहाल ज्यादा व्यावहारिक दिखाई देती है। शहरों के बीच हर व्यक्ति की निजी उड़ने वाली कार की तुलना में हवाई अड्डे से शहर के केंद्र तक तेज परिवहन, महानगरों में सीमित दूरी की हवाई टैक्सी और आपातकालीन चिकित्सा सेवाएं पहले उपयोगी साबित हो सकती हैं। इससे जमीन पर मौजूद सड़क नेटवर्क को हटाने के बजाय उसके ऊपर एक नया परिवहन विकल्प तैयार होगा। हमें यह समझना होगा कि महानगरों में यातायात की समस्या केवल सड़कों की कमी नहीं है। आबादी का घनत्व, गलत शहरी नियोजन, पार्किंग, सार्वजनिक परिवहन की अपर्याप्तता और यात्रा की बढ़ती मांग भी इसके कारण हैं। ऐसे में उड़ती हुई कारों को हर समस्या का समाधान मानना जल्दबाजी होगी। कल्पना करें दिल्ली, मुंबई या बंगलुरु में हजारों निजी उड़ने वाली कारें एक साथ आसमान में उतर आएं, तब सवाल होगा कि उन्हें उड़ने की अनुमति कौन देगा, उनके लिए हवाई गलियारे कैसे निर्धारित होंगे, दुर्घटना की स्थिति में जिम्मेदारी किसकी होगी और वे कहां उतरेंगी? यदि हर इमारत की छत पर लैंडिंग की व्यवस्था करनी पड़े, तो शहरी ढांचे को पूरी तरह बदलना होगा। इसके अलावा, बैटरी की क्षमता, उड़ान की दूरी, मौसम का प्रभाव, शोर, रखरखाव और यात्रियों की सुरक्षा भी बड़ी चुनौतियां हैं। कम दूरी की इलेक्ट्रिक उड़ान संभव बनाने वाली तकनीक अपने आप में यह गारंटी नहीं देती कि वह हर मौसम में सुरक्षित और किफायती सेवा दे सकेगी।



अमरिका में बनी जॉबी एविएशन का एस4

खत्म नहीं होंगे पारंपरिक वाहन

उड़न कारों के बारे में सोचते हुए एक यह सवाल भी जेहन में आता है कि क्या उड़ने वाली कारों के आने के बाद रेल, मेट्रो, बसें और सामान्य कारें अप्रासंगिक हो जाएंगी? इसकी संभावना बिल्कुल नहीं है, क्योंकि इतिहास गवाह है कि परिवहन के इतिहास में नए साधन पुराने साधनों को पूरी तरह समाप्त नहीं करते बल्कि उनकी भूमिका बदलते हैं। विमान आने के बाद रेल खत्म नहीं हुई, मेट्रो के विस्तार से बसों की जरूरत समाप्त नहीं हुई। उसी तरह उड़ने वाली कारें भी पहले उन यात्राओं में जगह बना सकती हैं, जहां समय की कीमत अधिक है और यात्रियों की संख्या सीमित है। मेट्रो और रेल बड़ी संख्या में यात्रियों को कम ऊर्जा और कम जगह में ले जाने में सक्षम हैं। बसें स्थानीय संपर्क प्रदान करती हैं, जबकि निजी कारें घर से गंतव्य तक लचीली यात्रा का विकल्प देती हैं।

भविष्य में ऐसा हो सकता है

एक यात्री घर से इलेक्ट्रिक कार में मेट्रो स्टेशन तक पहुंचे, लंबी दूरी ट्रेन से तय करें और अंतिम चरण में हवाई टैक्सी का इस्तेमाल करे, ऐसी एकीकृत व्यवस्था अधिक यथार्थवादी है। इस तरह उड़ती हुई कारों का भविष्य केवल इस बात से तय नहीं होगा कि कोई वाहन हवा में उठ सकता है या नहीं। असली प्रश्न यह होगा कि क्या वह आम आदमी की जरूरतों के अनुकूल सुरक्षित, विश्वसनीय, किफायती और पर्यावरण की दृष्टि से बेहतर विकल्प बन सकता है। हालांकि, उस भविष्य में सबसे महत्वपूर्ण वाहन शायद वह नहीं होगा जो सबसे ऊंचा उड़ता है बल्कि वह होगा जो लोगों को सबसे सुरक्षित, सुलभ और कम खर्च में उनकी मंजिल तक पहुंचाता है। *

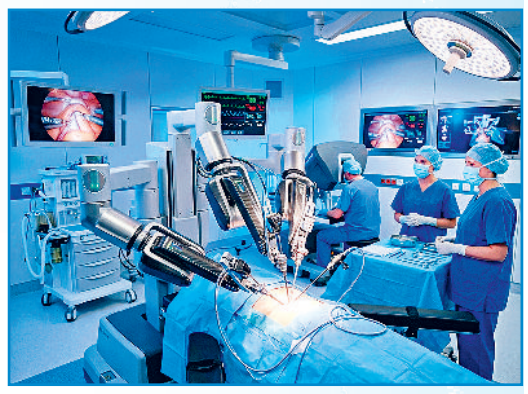


कई देशों में हो रहे प्रयास

भले आज अमेरिका, चीन, जापान, जर्मनी, ब्रिटेन और नीदरलैंड सहित कई देशों में अलग-अलग तरह के उड़ने वाले वाहन विकसित हो रहे हों। अमेरिका में जॉबी एविएशन का एस4 और आर्चर एविएशन का मिडनाइट जैसे विमान हवाई टैक्सी के लिए तैयार किए जा रहे हैं। चीन की ईहैंग अपने ईएच216-एस जैसे बिना पायलट वाले यात्री विमान के कारण उल्लेखनीय बढ़त रखती है। जापान की स्काईड्राइव और चीन की एक्सपेंग एरॉएचटी सड़क और आसमान के बीच संबंध बनाने वाली अलग अवधारणाओं पर काम कर रही हैं। मगर यहां एक महत्वपूर्ण अंतर है। तकनीकी प्रोटोटाइप उड़ाना, विमान का नियामकीय प्रमाणन प्राप्त करना और नियमित व्यावसायिक यात्री सेवा शुरू करना तीन अलग-अलग पड़ाव हैं। चीन का ईएच216-एस प्रमाणन और सीमित सेवाओं के मामले में आगे है, जबकि अमेरिका में जॉबी जैसे खिलाड़ी पायलट वाले विमानों के प्रमाणन की दिशा में तेजी से बढ़ रहे हैं। इसलिए किसी एक देश को सभी तरह की उड़ने वाली कारों का निर्विवाद विजेता कहना अभी सही नहीं होगा।

अब रोबोट करेंगे सर्जरी !

अभी तक इंसानी डॉक्टर की मदद से रोबोटिक सर्जरी हुआ करती थी। लेकिन अब इंसानी डॉक्टर से दूर रहकर रोबोटिक सर्जरी को अंजाम देने की दिशा में कदम आगे बढ़ गए हैं। यह देखना दिलचस्प होगा, आने वाले समय में मेडिकल साइंस में रोबोट की भूमिका और कितनी बढ़ती है?



{ टेक्नोट्रीटमेंट / वीरेंद्र बहादुर सिंह }

मेडिकल क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और रोबोटिक्स का इस्तेमाल तेजी से बढ़ रहा है। आज भारत में भी घुटने और कूल्हे के जॉइंट रिप्लेसमेंट से लेकर कई तरह की छोटी-बड़ी सर्जरी रोबोटिक तकनीक की मदद से की जाने लगी हैं। हालांकि इन ऑपरेशनों में रोबोट अपने आप सर्जरी नहीं करता। अनुभवी और कुशल डॉक्टर ऑपरेशन थिएटर में मौजूद रहते हैं और रोबोटिक उपकरणों की मदद से पूरी प्रक्रिया को नियंत्रित करते हैं। लेकिन अमेरिका में हाल ही में हुए एक प्रयोग ने भविष्य की मेडिकल सर्जरी की संभावनाओं को एक कदम और आगे बढ़ा दिया है।

दो ह्यूमनॉइड रोबोट ने की सर्जरी: अमेरिका की यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया में एक ऐसा प्रयोग किया गया, जिसमें दो ह्यूमनॉइड रोबोट ने एक जीवित मरीज पर सर्जरी की। इस दौरान गॉल-ब्लैडर यानी पित्ताशय को शरीर से अलग किया गया। ऑपरेशन में चीरा लगाना, लिवर से पित्ताशय को अलग करना और अंत में टांके लगाने जैसी प्रक्रियाएं रोबोट ने पूरी कीं।

यह दावा सुनने में बेहद रोमांचक है कि रोबोट ने स्वयं ऑपरेशन कर दिया, लेकिन इस प्रयोग की वास्तविकता को समझना जरूरी है। पहली बात यह कि मरीज इंसान नहीं, बल्कि एक पशु था। दूसरी और सबसे महत्वपूर्ण बात यह कि प्रशिक्षित मानव डॉक्टर पूरी प्रक्रिया के दौरान मौजूद थे। वे ऑपरेशन थिएटर से दूर बैठकर टेली ऑपरेशन तकनीक के माध्यम से रोबोट को नियंत्रित कर रहे थे। फिर भी मेडिकल साइंस के लिए यह प्रयोग बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसका उद्देश्य यह पता लगाना था कि क्या भविष्य में ह्यूमनॉइड रोबोट डॉक्टर की प्रत्यक्ष मौजूदगी के बिना भी जटिल सर्जरी कर सकते हैं?

नॉर्मल रोबोट ने किया ऑपरेशन: इस प्रयोग की एक और खासियत थी। इसके लिए कोई विशेष सर्जिकल रोबोट तैयार नहीं किया गया था। इसके बजाय दो नॉर्मल ह्यूमनॉइड रोबोट का इस्तेमाल किया गया। इन रोबोट में कई तरह के जोड़ थे और उनके हाथों में अंगूठे तथा अंगुलियों जैसी कार्यक्षमता थी। इसलिए वे अपने हाथों में अलग-अलग सर्जिकल उपकरण पकड़कर उनका इस्तेमाल कर सकते थे। इनमें श्रीडी लाइडार और डेप्थ कैमरा जैसी तकनीक भी लगी थी। इससे रोबोट अपने सामने मौजूद वस्तुओं की स्थिति और गहराई को समझ सकते थे। यही क्षमता सर्जरी जैसे अत्यंत संवेदनशील काम में महत्वपूर्ण हो जाती है। यह प्रयोग इस बात का संकेत है कि भविष्य की सर्जरी में केवल रोबोटिक मशीनें ही नहीं, बल्कि एआई, कंप्यूटर विजन और रोबोटिक्स का संयुक्त इस्तेमाल निर्णायक भूमिका निभा सकता है।

भारत में हो चुका है ऐसा प्रयोग: रोबोटिक सर्जरी की यह कहानी भारत के लिए पूरी तरह नई नहीं है। करीब आठ वर्ष पहले गुजरात में ऐसा प्रयोग हो चुका है, जिसमें डॉक्टर ने मरीज से कई किलोमीटर दूर बैठकर टेलीरोबोटिक तकनीक से सफलतापूर्वक हृदय की सर्जिकल प्रक्रिया की थी।

पद्मश्री से सम्मानित हृदय रोग विशेषज्ञ डा. तेजस पटेल ने 2018 में अहमदाबाद स्थित अस्पताल में भर्ती एक महिला मरीज के हृदय की प्रक्रिया को दूर बैठकर नियंत्रित किया था। उस समय डॉक्टर स्वयं अस्पताल से लगभग 30-32 किलोमीटर दूर गांधीनगर में थे। मरीज को कुछ दिन पहले ही हृदयाघात हुआ था। इसके बावजूद उसने दुनिया में इस तरह की पहली प्रक्रियाओं में से एक के लिए सहमति दी। यह प्रयोग इसलिए ऐतिहासिक था क्योंकि डॉक्टर और मरीज के बीच कई किलोमीटर की दूरी होने के बावजूद रोबोटिक सिस्टम और हाईस्पीड इंटरनेट की मदद से डॉक्टर मरीज की प्रक्रिया को नियंत्रित कर सके।



कैसे होती है टेलीरोबोटिक सर्जरी: इस तरह की रोबोटिक प्रणाली मुख्य रूप से तीन हिस्सों में काम करती है। पहला हिस्सा अस्पताल के ऑपरेशन थिएटर में मौजूद रोबोटिक आर्म होता है, जो कैथलैब जैसी व्यवस्था के साथ जुड़ा रहता है और मरीज के शरीर में वास्तविक प्रक्रिया करता है। दूसरे हिस्से में एक बदली जा सकने वाली कैसेट होती है। इसमें प्रक्रिया के लिए जरूरी क्लिनिकल सामग्री और उपकरण व्यवस्थित रहते हैं। तीसरा हिस्सा डॉक्टर के लिए बनी कॉकपिट जैसी व्यवस्था होती है। डॉक्टर इसमें बैठकर गेमिंग के जॉयस्टिक जैसे नियंत्रण उपकरणों की मदद से रोबोटिक आर्म को संचालित करता है।

सबसे खास बात यह है कि यह कॉकपिट, ऑपरेशन थिएटर से काफी दूर भी हो सकती है।

सवाल भी है बरकरार: रोबोटिक सर्जरी को लेकर अकसर यह सवाल उठता है कि क्या भविष्य में रोबोट, डॉक्टरों की जगह ले लेंगे? फिलहाल ऐसा कहना जल्दबाजी होगी। सर्जरी केवल हाथों की सटीक गतिविधियों का नाम नहीं है। मरीज की स्थिति को समझना, अचानक पैदा होने वाली जटिलताओं का आकलन करना, निर्णय लेना और किसी अप्रत्याशित परिस्थिति में तुरंत रणनीति बदलना, इन सबमें मानवीय विशेषज्ञता महत्वपूर्ण है।

लेकिन तस्वीर का दूसरा पहलू भी उतना ही दिलचस्प है। अगर एआई रोबोट को देखने, समझने और निर्णय लेने की क्षमता में लगातार बेहतर बनाता है और रोबोटिक तकनीक हाथों की अत्यंत सूक्ष्म गतिविधियों को अधिक सटीक बनाती है, तो डॉक्टर और रोबोट का यह गठजोड़ चिकित्सा क्षेत्र को पूरी तरह बदल सकता है। *



{ दोहे / केदार शर्मा }

पूर्ण चंद्रमा शरद का

दीप्त रजत-सी ओढ़नी, उजली पाखी रात।
पूर्ण चंद्र से शरद ऋतु, हंस-हंस करती बात।।
चटक चमक चक चांदनी, चंचल चित चकोर।
होले-होले हवा हंस, हुलराती हर ओर।।
षोडस अंशों युक्त है, मादकमय मुस्कान।
सम्मोहनमय मौन में, डूबा सकल जहान।।
कानन उपवन दमकते, नहा चांदनी संग।
नदी सरोवर बदलते, धवल वसन सम रंग।।
क्षीरसिंधु सुत क्षीर-सा, शीतलता सब ओर।
मंद-मंद मुस्कान में, मिला मधुर मन-मोर।।
पूर्ण चंद्रमा शरद का, बदले सब हालात।
कुदरत जैसे बांटती, कोई नई सौगात।।
पर्वों की आहट हुई, सर्दी की पदचाप।
उधर गुलाबी ठंड भी, बदन रही है नाप।।
बदली-बदली सी फिजां, बदल रहे हालात।
दिन की घड़ियां भी घटीं, और फैलती रात।।



{ पुस्तक अंश / सूर्यबाला }

कई प्रतिष्ठित सम्मानों से विभूषित वरिष्ठ साहित्यकार सूर्यबाला की आत्मकथात्मक संस्मरणों की पुस्तक 'डिप सा'ब की तीसरी बेटी' हाल में प्रकाशित होकर आई है। अपनी स्मृति की वीथियों से गुजरते हुए उन्होंने बहुत साधारण सी लगने वाली घटनाओं में व्याप्त असाधारण सौंदर्य और विमर्श को व्यक्त किया है। आज उनके जन्मदिन के अवसर पर प्रस्तुत है, इसी पुस्तक का एक संपादित अंश।

युवती वधुओं से एक गुहार

मनोविज्ञान कभी मेरा विषय नहीं रहा लेकिन मेरी 'मेरा विद्रोह', 'सुनंदा छोकरी की डायरी', 'सांझवाती' और 'निर्वासित' जैसी कहानियां पढ़कर लोग अकसर प्रश्न करते हैं, 'आप बच्चों और बूढ़ों के मनों को कैसे इतनी बारीकी से पढ़ पाती हैं?...तो मैं ही नहीं शायद हर रचनाकार जन्मजात मनोविज्ञानी होता है। यह मनोविज्ञान लेखन ही नहीं, जीवन में भी आई परिस्थितियों और चरित्रों से निर्वाह कर ले जाने की तरकीबें निकाल सकता है। मैंने इसी की मदद से श्वसुरालय के ग्राम्यांचल से जुड़े लोगों की मन, प्रकृति और समझ बांच ली थी। ये बेशक पुरानी और रीति-रिवाजों की लकीर पीटने वाले गलत परंपराओं, अंधविश्वासों को भी सही समझने वाले लोग हैं लेकिन मन के कुटिल नहीं। ये ऊपर से अड़ियल हैं, रूढ़ परंपराओं से अलग होने का उनमें भय व्यापता हैं, और वे असुरक्षित महसूस करते हैं लेकिन अंदर से सीधे, भोले और अपनेपन की अकूत मिल्कियत के मालिक हैं। उन्होंने जीवन में सदा अपना-पराया, तेरा-मेरा अलगा-गुजारी और थोड़ी-थोड़ी चीजों पर लड़ना, अड़ना ही देखा होता है। एक-दूसरे के खिलाफ अपने पतियों को भड़काती स्त्रियां, प्रायः हर विवाहित पुत्र, रात-दिन मां से पत्नी के विरुद्ध और पत्नी से उसकी मां के खिलाफ शिकायतों की अनवरत और अंधाधुंध कलह कोलाहल भरी शिकायतें सुनते-सुनते खब्त हो गया होता है। मुझे लेकर भी इस मां की, इस परिवार की कुछ वैसी ही रूढ़ धारणाएं बनी होंगी उसे संभालने में, उनकी धारणा बदलने में समय तो लगना ही था।

विश्व की प्रकृति प्रदत्त दुर्भाग्यपूर्ण विडंबनाओं में एक है, सास-बहू की परस्पर तनातनी वास्तव में यह एक ही 'पुरुष' पर अपना एकनिष्ठ वर्चस्व चाहने वाली उसके जीवन की दो अतिप्रिय स्त्रियों के क्लेश हैं क्योंकि वह दोनों का प्रिय है दोनों स्त्रियां उस पर अपना पूरा आधिपत्य चाहती हैं। पहली ने जिस बच्चे को जन्म दिया, शिशुपन से उसके सारे दुःख-सुख की साक्षी रही, एक ही रात में उस मां को एक-दूसरी युवती स्त्री द्वारा उसके पद से अपदस्थ कर दिया जाता है। (अनजाने ही सही) लेकिन बचपन से युवा होने तक जिसकी नींद सोयी, जिसकी नींद उठी, ऐसी मां और बेटे के निकटतम रक्त-संबंध के बावजूद, यह अपदस्थ मां, अपने 'दोनों बच्चों' (पुत्र-पुत्रवधु) से एक समझदार, सम्मानजनक व्यवहार, रिश्ता और निश्छल प्यार पा कर अति प्रसन्न और तृप्त भी हो सकती है, यह कोई युवती बहू शायद ही समझती हो। कम से कम प्रयोग के तौर पर ही, नाममात्र को ही, यदि वह पहले की तरह उस मां को घर की सम्राज्ञी, उसके बेटे की 'वही मां' बनी रहने का 'भरम' बनाये रख सके तो सीधे-सीधे सिर्फ भारत ही नहीं, विश्व की एक बड़ी मनोवैज्ञानिक समस्या छूमंतर हो सकती है। लेकिन इतना तक भी धैर्य कहां हो पाता है। न हमारी युवती वधुओं में! न परिपक्ववय वाली मां में ही प्रायः खलनायिकत्व अपनाने से बाज न आती वधुरानी को भी सीधे-सीधे, संपूर्ण प्रभुत्व, पर्याप्त स्पेस और स्वछंद स्वतंत्रता चाहिए होती है। तो लुटी-पिटी, हारी-खिसियानी हजार पूर्वाग्रहों से ग्रस्त, मां जो तमाम गलत धारणाओं की शिकार पहले से ही होती हैं, उनकी धारणा का रंग पक्का होता जाता है। मैंने इन्हीं दो गहरी खाइयों के बीच सेतुबंध का एक प्रयोग सा किया था जो सफल रहा और पूरे कुटुंब में तीन पीढ़ियों तक जीवन और संबंधों की समरसता कायम रही। सच तो यह है कि परिवार और रिश्तों से जुड़ी स्थितियों को सिर्फ 'घरेलू' मानकर न मुंह बिचकाया जा सकता है, न उन्हें टरकाया जा सकता है। थोड़े-बहुत उलटफेर के साथ कॉर्पोरेट और कारोबारी संस्थानों में जटिल रिलेशनशिप को साधने में काम आने वाली तरकीबों और फॉर्मूलों से ही इस मसले को भी हल किया जा सकता है। शर्त सिर्फ एक, इसे घरेलू समझ कर हल्के से न लिया जाए। *



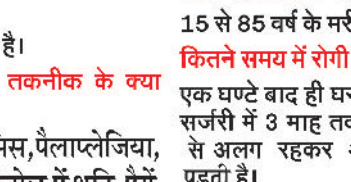
(वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली से प्रकाशित पुस्तक 'डिप सा'ब की तीसरी बेटी' से साभार)

विज्ञापन...

इंजेक्शन की नवीन तकनीक से स्पाइन रोगों का उपचार

नोट : वरिष्ठ नागरिकों (60 वर्ष के ऊपर) का उपचार मात्र 12 हजार रुपए में

सर्जरी के बिना ही सिर्फ इंजेक्शन तकनीक के जरिये स्पाइन (रीढ़) रोगों का बेहतर और विश्वसनीय उपचार ग्वालियर में हो रहा है इस तकनीक के असाधारण लाभ-



केन्द्रीय मंत्री श्रीमंत ज्योतिरादित्य सिंधिया जी से स्पाइन के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए डॉ. प्रमोद पहारिया अवार्ड प्राप्त करते हुए।

स्टेनोसिस, स्पॉन्डिलाइटिस आदि में कारगर है।

जो रोगी ऑपरेशन करवा चुके हैं उसमें भी यह कारगर है ?

यदि ऑपरेशन के बाद दबाव बना रहता या दोबारा दबाव आ जाता है तो उसमें भी यह तकनीकी कारगर है।

इस ट्रीटमेंट की कितनी बार आवश्यकता होती है?
सिर्फ एक ही बार पर्याप्त है।

सर्जरी की अपेक्षा इस तकनीक के क्या फायदे हैं?
सर्जरी के बाद पैरालिसिस, पैलाप्लेजिया, ब्लैडर एंव बोवेल के कंट्रोल में क्षति, पैरों में कमजोरी, इंफेक्शन, इंप्लाट फैलियर जैसे कॉम्पिलकेशन इसमें नही है।

किन मरीजों का इलाज इस तकनीक से संभव है?
डिस्क प्रोलेप्स जैसे L4-L5, L5-S1, साइटिका, लंबर या सर्वाइकल रेडीक्युलोपैथी, डिजरनेरेटिव डिस्क, फैसिट जॉइन्ट सिंड्रोम, माइलोपैथी, लंबर कैनाल

किस उम्र के लिये यह चिकित्सा है?
15 से 85 वर्ष के मरीजों के लिये।

कितने समय में रोगी घर जा सकता है?
एक घण्टे बाद ही घर जा सकता है। जबकि सर्जरी में 3 माह तक रोगी को अपने काम से अलग रहकर आर्थिक क्षति उठाना पड़ती है।

इस ट्रीटमेंट की सफलता की दर कितनी है?
90 से 95% सफल है।

इस ट्रीटमेंट का असर कब तक रहता है?
इसमें जड़ से इलाज होता है।

क्या यह स्टेरॉइड इंजेक्शन है?
नहीं, यह एक भ्रम है। यह एक सेफ अमेरिकन प्रोसीजर है, जो एक विशेष मशीन की निगरानी में किया जाता है।

NBC@

डॉ. प्रमोद पहारिया
स्पाइन सर्जन
MBBS, D.Ortho, DNB, M.Ch. (Ortho)
पूर्व सर्जन- सर गंगाराम हॉस्पिटल एवं इंडियन स्पाइनल इंज्यूरी सेन्टर, नई दिल्ली

ओल्ड श्री टॉकीज, बारादरी, मुरार, ग्वालियर (म.प्र.)
समय: दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक
व्हाट्सएप पर रिपोर्ट भेजकर ही संपर्क करें
सम्पर्क – 7354858466



चित्तौड़गढ़ मीरा महोत्सव-2026

शौर्य की फिजा में महकती भक्ति

इतिहास में राजपूताना वीरगाथाओं से समृद्ध प्रदेश राजस्थान के चित्तौड़गढ़ में आज और कल आयोजित हो रहे मीरा महोत्सव में भक्ति की बयार की अनुभूति आप कर सकते हैं। यह महोत्सव न केवल राजस्थान के इतिहास बल्कि वहां की कला, संगीत, संस्कृति से रूबरू होने का अवसर भी प्रदान करती है। इस महोत्सव की विशिष्टताओं पर एक नजर।

सांस्कृतिक आयोजन
वीना गौतम

कुछ जगहें ऐसी होती हैं, जहां घूमने का अर्थ केवल खूबसूरत इमारतों को देखना, तस्वीरें खींचना और रास्ते में स्थानीय व्यंजनों का स्वाद लेना भर नहीं होता। वहां की मिट्टी, हवा और पत्थर भी कोई कहानी सुनाते हैं। राजस्थान का चित्तौड़गढ़ ऐसी ही जगह है। यहां दुर्ग की ऊंची प्राचीरें शौर्य और बलिदान की गाथाएं कहती हैं, विजय स्तंभ इतिहास की विराटता का अहसास कराता है और इन्हीं ऐतिहासिक दीवारों के बीच स्थित मीरा मंदिर प्रेम, समर्पण और आत्मिक स्वतंत्रता की एक बिल्कुल अलग दुनिया में ले जाता है। आज 25 और कल 26 अक्टूबर 2026 को आयोजित हो रहा मीरा महोत्सव ऐसा ही एक खास अवसर है।

संगीत-परंपरा की अनुभूति : राजस्थान पर्यटन के अनुसार इस दो दिवसीय आयोजन में मीरा की भक्ति, कविता, संगीत और राजस्थान की लोकपरंपराओं को केंद्र में रखा जाएगा। ऐसे में यह सफर केवल एक ऐतिहासिक शहर की सैर नहीं बल्कि उस प्रेम स्वरूपा महाभक्त मीरा को समझने का अवसर भी है, जिसने राजमहलों की मर्यादाओं के बीच अपने मन की स्वतंत्रता और कृष्ण के प्रति अपनी अनन्य भक्ति को चुना।

बहती है मीरा की भक्ति धारा: चित्तौड़गढ़ का नाम आते ही रानी पद्मिनी, महाराणा कुंभा, महाराणा सांगा और राजपूताना के शौर्य की स्मृतियां सामने आ जाती हैं। लेकिन इस शहर की सांस्कृतिक पहचान का एक दूसरा पक्ष भी है, जो तलवार की चमक से नहीं, वीणा की धुन और भक्ति के स्वर से उजागर होता है। मीरा इसी पक्ष की प्रतिनिधि हैं। सोलहवीं सदी की भक्त-कवयित्री मीराबाई का जीवन कृष्ण के प्रति उनकी अनन्य आस्था और सामाजिक रूढ़ियों से टकराने के लिए याद किया जाता है। उनके पदों में प्रेम है, विरह है, प्रतीक्षा है और अपने आराध्य के प्रति ऐसा समर्पण है, जो किसी एक काल या क्षेत्र तक सीमित नहीं रहा। उनकी कविता मंदिरों से निकलकर लोकगीतों, शास्त्रीय संगीत, भजन मंडलियों और आम लोगों की स्मृतियों में पहुंची। मीरा महोत्सव के दौरान भक्ति संगीत, काव्य और लोककलाओं के कार्यक्रम इस विरासत को नए सिरे से महसूस करने का अवसर देंगे।



पद्मिनी महल से गौमुख कुंड

ऐतिहासिक मीरा दुर्ग का दीदार: चित्तौड़गढ़ की यात्रा का सबसे प्रभावशाली पड़ाव है इसका विशाल दुर्ग। लगभग 180 मीटर ऊंची पहाड़ी पर स्थित यह ऐतिहासिक परिसर दूर से ही अपने विस्तार और भव्यता से आकर्षित करता है। इसकी लंबी चढ़ाई, प्रवेशद्वार और भीतर फैले स्मारक, आगंतुकों को धीरे-धीरे उस दौर में ले जाते हैं, जब मेवाड़ की राजनीतिक और सांस्कृतिक पहचान इसी दुर्ग से आकार लेती थी। इसकी प्राचीरों पर खड़े होकर आस-पास के भू-भाग को देखना अपने आपमें एक अनुभव है। यहां इतिहास किसी बंद संग्रहालय में रखी वस्तु की तरह नहीं बल्कि खुले आकाश के नीचे फैले परिदृश्य की तरह सामने आता है। समय ने कई इमारतों को क्षतिग्रस्त किया, लेकिन उनके अवशेष आज भी सत्ता, संघर्ष, कला और स्मृति की परतें खोलते हैं। विजय स्तंभ इसकी पहचान का प्रमुख हिस्सा है। इसकी बारीकियों को देखते हुए समझ आता है कि मध्यकालीन भारत में स्मारक केवल विजय का प्रतीक नहीं बल्कि शिल्पकला और सांस्कृतिक अभिव्यक्ति के माध्यम भी थे।

आकर्षक मीरा मंदिर: इसी दुर्ग के भीतर मीरा मंदिर पहुंचकर यात्रा का स्वर बदल जाता है। यहां राजसी वैभव और युद्धों की



मीरा मंदिर

स्मृतियों के बीच भक्ति की एक शांत दुनिया दिखाई देती है। मंदिर की स्थापत्य शैली, नक्काशी और परिसर का वातावरण पर्यटकों को कुछ देर ठहरने के लिए बाध्य करता है। यहां पहुंचकर मीरा के पदों को याद करना इस यात्रा को और अर्थपूर्ण बना सकता है। उनके काव्य में कृष्ण केवल आराध्य नहीं, बल्कि आत्मीय संवाद के साथी हैं। मीरा का प्रेम किसी सांसारिक उपलब्धि की आकांक्षा नहीं रखता, वह अपने विश्वास के साथ जीने की स्वतंत्रता का भी प्रतीक है। यही कारण है कि सदियों बाद भी उनकी कविता अलग-अलग भाषाओं और पीढ़ियों के लोगों को छूती है। मीरा मंदिर में कुछ समय शांत बैठकर आसपास के स्थापत्य को देखकर कल्पना कर सकते हैं कि कैसे किसी कवयित्री की निजी अनुभूति धीरे-धीरे सामूहिक सांस्कृतिक विरासत बन जाती है। पर्यटन का असली आनंद शायद इसी बिंदु पर मिलता है, जब कोई जगह केवल देखने की वस्तु नहीं रहती, बल्कि भीतर कुछ बदलने का अवसर बन जाती है।

ये स्थल भी हैं दर्शनीय: जब आप मीरा महोत्सव में शामिल होने के लिए चित्तौड़गढ़ जाएं तो यहां स्थित कई और स्थलों को देख सकते हैं। रानी पद्मिनी का महल, राणा कुंभा का महल, गौमुख कुंड और कालिका माता मंदिर जैसे स्थल, इतिहास तथा स्थापत्य के अलग-अलग रूप सामने लाते हैं। पद्मिनी महल का परिसर और उसके आस-पास का जलाशय दुर्ग के दृश्यात्मक आकर्षण को बढ़ाते हैं, जबकि राणा कुंभा का महल, मेवाड़ की राजसी विरासत को समझने का अवसर देता है। गौमुख कुंड पर पहुंचकर कुछ देर ठहरना अविस्मरणीय अनुभव हो सकता है। चट्टान से निकलकर कुंड में पहुंचते जलस्रोत का दृश्य प्रकृति और आस्था के पुराने संबंध की याद दिलाता है। दुर्ग के भीतर जैन मंदिर भी हैं, जिनकी बारीक नक्काशी और स्थापत्य विविधता इस क्षेत्र की बहुधार्मिक सांस्कृतिक विरासत का परिचय देती है। *

इसे भी करें एंज्वॉय

चित्तौड़गढ़ की यात्रा में राजस्थानी खान-पान का स्वाद भी शामिल होना चाहिए। दाल-बाटी-चूरमा, गट्टे की सब्जी और स्थानीय शैली में तैयार पारंपरिक व्यंजन भोजन को यात्रा का यादगार हिस्सा बना सकते हैं। स्थानीय बाजारों में हस्तशिल्प, पारंपरिक कपड़े और क्षेत्रीय कलाकृतियां देखी, खरीदी जा सकती हैं।

बेहतर और सफल जीवन जीने के लिए सबको बदलने के बजाय खुद को समझिए और जरूरी बदलाव कीजिए। इससे आप मनचाही सफलता तो पाएंगे ही, जीवन में सार्थकता भी आएगी।

दुनिया को नहीं खुद को बदलिए

सेल्फ मोटिवेशन
शिखर चंद जैन



अधिकतर लोग अकसर इसलिए परेशान रहते हैं कि ये दुनिया वैसी क्यों नहीं है, जैसी वे चाहते हैं? सच कहा जाए तो उनकी परेशानी का मूल ही यही सोच है। सुकून, समृद्धि और सफलता के लिए असल में जरूरत होती है खुद को बदलने की।

व्यर्थ न करें मानसिक ऊर्जा: दूसरों को बदलने की कोशिश में अपनी ऊर्जा बर्बाद मत कीजिए। हमारे तनाव का बड़ा हिस्सा अकसर उन चीजों से आता है, जो हमारे नियंत्रण में हैं ही नहीं। कोई हमारे बारे में क्या सोचता है, किसने हमें फोन नहीं किया, किसी ने हमारी बात क्यों नहीं मानी या किसी ने हमारे साथ वैसा व्यवहार क्यों नहीं किया जैसा हम चाहते थे? इन सवालों में मानसिक ऊर्जा खपती है। 'लेट देम' थ्योरी इसी प्रवृत्ति से बाहर निकलने का एक सरल तरीका है। किसी के व्यवहार से परेशान हों तो तुरंत प्रतिक्रिया देने के बजाय खुद से पूछें, 'क्या यह मेरे नियंत्रण में है?' यदि जवाब 'नहीं' है तो अपनी ऊर्जा बचाइए।

समझें समय का सही उपयोग: समय बचाने से पहले यह तय कीजिए कि समय किसके लिए चाहिए? आज समय प्रबंधन पर हजारों तकनीकें उपलब्ध हैं, लेकिन हमारी टू-डू लिस्ट फिर भी खत्म नहीं होती। याद रखिए, हमारे पास हर काम करने के लिए अनंत समय नहीं है, इसलिए हर अवसर स्वीकार करना और हर काम पूरा करना संभव नहीं। इसका सीधा अर्थ है, प्राथमिकताएं तय करनी होंगी। जिस काम के लिए समय नहीं है, उसे 'नहीं' कहना भी समय प्रबंधन है।



लोगों की परवाह छोड़िए: 'लोग क्या कहेंगे' जैसे डायलॉग को जिंदगी का कंट्रोलर मत बनने दीजिए। समाज की राय जरूरी हो सकती है, लेकिन यदि हर निर्णय इसी डर से लिया जाए कि दूसरे क्या सोचेंगे तो धीरे-धीरे अपनी पसंद, पहचान और इच्छा दबने लगती है। आपका काम, आदतें, स्वभाव हर व्यक्ति को पसंद आना संभव भी नहीं, जरूरी भी नहीं। यदि हर टिप्पणी आपके फैसले बदलने लगे तो जीवन आपका होकर भी आपका नहीं रहेगा। दूसरों का सम्मान कीजिए, पर अपनी जिंदगी का नियंत्रण उनके हाथ में मत दीजिए।

दिमाग पर हावी न हो मोबाइल: आधुनिक जीवन की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि जो उपकरण हमें दुनिया से जोड़ने के लिए बना था, वही हमारा ध्यान सबसे ज्यादा भंग कर रहा है। हर कुछ मिनट में फोन देखना, रील बदलना, नोटिफिकेशन जांचना और बिना उद्देश्य स्क्रॉल करना एक आदत सी बन गई है। समाधान तकनीक को त्यागना नहीं, बल्कि उसकी सीमा तय करना है। सुबह उठते ही फोन न देखना, भोजन के समय उसे दूर रखना और सोने से पहले कुछ समय स्क्रीन-मुक्त रखना छोटे लेकिन प्रभावी कदम हो सकते हैं। डिजिटल अनुशासन आज की नई जीवनशैली का अनिवार्य हिस्सा है।

रिश्तों में बातचीत जरूरी: हमारी कई पारिवारिक और व्यक्तिगत समस्याएं वास्तविक घटना से ज्यादा उसके बारे में बनाए गए अनुमान से पैदा होती हैं। किसी ने देर से जवाब दिया तो हमने मान लिया कि वह नाराज है। किसी ने कम बात की तो मान लिया कि रिश्ता खराब हो गया। इसके बजाय सीधे संवाद करना बेहतर है। आरोप लगाने के बजाय सवाल पूछिए, प्रतिक्रिया देने से पहले सामने वाले की बात सुनिए। रिश्तों में हर बात पर सहमत होना जरूरी नहीं, लेकिन असहमति के बीच सम्मान बचा रहना जरूरी है। अच्छा रिश्ता वह नहीं, जिसमें कभी झगड़ा न हो, अच्छा रिश्ता वह है, जिसमें झगड़े के बाद बातचीत का दरवाजा बंद न हो।

मुझसे नहीं होगा सोचना ठीक नहीं: कई क्षमताएं अभ्यास और सीखने से विकसित हो सकती हैं। उम्र, पिछली असफलता या पुरानी पहचान को भविष्य की अंतिम सीमा मान लेना जरूरी नहीं। जिसने कभी मंच पर भाषण नहीं दिया, वह अभ्यास से वक्ता बन सकता है। जिसने कभी नहीं लिखा, वह लिखना सीख सकता है। जिसने तकनीक से दूरी बनाई है, वह धीरे-धीरे डिजिटल कौशल हासिल कर सकता है।

व्यस्त नहीं एकाग्र रहें: एक साथ कई काम करने की हमारी आदत वास्तव में कई बार सारे कामों की गुणवत्ता कम कर देती है। लगातार आने वाले संदेश, ई-मेल और नोटिफिकेशन दिमाग को एक काम से दूसरे काम की ओर खींचते रहते हैं। इसलिए रोज कुछ समय एक महत्वपूर्ण काम के लिए बिना व्यवधान के निर्धारित करना उपयोगी है। तीस मिनट के कंसंट्रेशन टास्क से शुरुआत कीजिए। मोबाइल दूर रखिए, अनावश्यक नोटिफिकेशन बंद कीजिए। *

प्रिकॉशन
शैलेंद्र सिंह

इन दिनों यंगस्टर्स में ईयरफोन से म्यूजिक सुनने की हैबिट बहुत तेजी से बढ़ रही है। लेकिन असावधानी बरतने पर इससे सुनने की क्षमता प्रभावित हो सकती है। विश्व श्रवण दिवस (27 अक्टूबर) पर जानिए उपयोगी बातें।

हार्मफुल हो सकती है ईयरफोन की दीवानगी





बस-मेट्रो में सफर करता युवा, अपनी गाड़ी में बैठकर ऑफिस जा रहा प्रोफेशनल हो, सड़क पर पैदल चलता किशोर, जिम में पसीना बहाता यंगस्टर या रात को बिस्तर पर लेटा विद्यार्थी, इन सबके बीच इन दिनों जो हैबिट तेजी से पॉपुलर हुई है, वह है- कानों में ईयरफोन लगाए रहना। म्यूजिक, पॉडकॉस्ट, वीडियो और ऑनलाइन बातचीत की दुनिया अब इतनी निजी हो गई है कि आस-पास की आवाजें कई बार हमारे लिए गैर जरूरी हो जाती हैं। लेकिन इस निजी दुनिया का एक खतरा भी है। जिस पर हम अकसर तब तक ध्यान नहीं देते, जब तक सुनाई देने वाली आवाजें धीमी नहीं पड़ने लगतीं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन की चेतावनी: डब्ल्यूएचओ के मुताबिक दुनिया भर में 12 से 35 वर्ष के 1 अरब से ज्यादा युवाओं को मनोरंजन के दौरान तेज आवाज के असुरक्षित संपर्क के कारण सुनने की क्षमता प्रभावित होने का खतरा रहता है। इसमें व्यक्तिगत ऑडियो, उपकरणों पर तेज आवाज में संगीत सुनना और मनोरंजन स्थलों पर अधिक शोर शामिल है।

स्मार्टफोन और म्यूजिक: पहले संगीत सुनने के लिए हम रेडियो, टेप रिकॉर्डर या म्यूजिक सिस्टम का सहारा लेते थे। लेकिन अब कुछ सेकेंड में ही हम अपने मनपसंद गाने सुन सकते हैं। यह सुविधा उपलब्ध कराई है, हमारी जेब में मौजूद रहने वाले स्मार्टफोन ने। यात्रा के दौरान, पढ़ाई करते समय, व्यायाम के वक्त और कई बार सोने से पहले तक हमारे विशेषकर युवाओं के कानों में ईयरफोन लगे रहते हैं। जिन कोशिकाओं की मदद से ध्वनि के संकेत हमारे मस्तिष्क तक पहुंचते हैं, वे कोशिकाएं लगातार डिजिटल संगीत के संपर्क में रहने के कारण क्षतिग्रस्त होने लगती है। इससे सुनने की क्षमता प्रभावित होने लगती है।

खतरा केवल तीव्रता में नहीं: जोखिम तय करने में तीन बातें अहम है- आवाज कितनी तेज है, वह कितनी देर तक सुनी जा रही है और ऐसा कितनी बार होता है। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक श्रवण संबंधी सुरक्षित दिशा-निर्देशों के तहत औसतन 80 डेसिबल की ध्वनि के संपर्क में एक सप्ताह में 40 घंटे तक रहने से वयस्कों के लिए संदर्भित सुरक्षित सीमा मानी जाती है। यदि आवाज का स्तर 90 डेसिबल हो जाए, तो यह अवधि घटकर सप्ताह में केवल 4 घंटे रह जाती है। इसका मतलब है कि यांत्रिक आवाज थोड़ी भी बढ़ जाए तो कान की सुरक्षा प्रणाली असुरक्षित हो जाती है।

संगीत सुनिए लेकिन: संगीत जरूर सुनिए, लेकिन संगीत हमेशा सुनने की शक्ति बचाकर सुनिए। आवाज कम रखिए, चार-चार घंटे तक लगातार संगीत ही नहीं किसी भी वॉयस को सुनने से बचिए। हर आधे या एक घंटे बाद कानों को आराम दीजिए। आखिरकार संगीत जिंदगी को खूबसूरत बनाने का जरिया है, लेकिन इससे अपनी जिंदगी में सुनने की शक्ति को खत्म करके बदसूरत न बनाएं। *



'कभी खुशी कभी गम' का 'बोले चूड़ियां' गीत दृश्य



फिल्म 'बागबान' का इमोशनल सीन



'हम दिल दे चुके सनम' का 'चांद छुपा' गीत दृश्य

सिने ट्रेंड
मनोज प्रकाश

हिंदी फिल्मों में दांपत्य प्रेम को अलग-अलग तरह से प्रस्तुत किया जाता रहा है। कई ऐसे गीत रचे गए हैं, जो आज भी करवा चौथ जैसे पर्व पर जरूर गाए-गुनगुनाए जाते हैं। ऐसी ही कुछ फिल्मों और दांपत्य प्रेम पर केंद्रित गीतों पर एक नजर।

फिल्मी गीतों में खूब दमकता रहा है दांपत्य प्रेम

पारिवारिक, धार्मिक ही नहीं हर तरह की हिंदी फिल्मों में पति-पत्नी के रिश्ते को बहुत महत्व दिया जाता रहा है। खासतौर पर दांपत्य जीवन खुशहाल बनाने के लिए पत्नी के द्वारा किए जाने वाले त्याग और समर्पण को भी फिल्मों में अलग-अलग नजरिए से फिल्माया जाता रहा है। पत्नी के द्वारा अपने सुहाग यानी पति के लिए व्रत की बात आती है तो बॉलीवुड में इस पर भी केंद्रित कुछ फिल्मी दृश्य और एक से बढ़कर सुंदर गीत रचे गए हैं।

यादगार हैं ये गीत: पति-पत्नी के प्रेम को समर्पित करवा चौथ के गीतों की बात करें तो 65 वर्ष पहले बनी फिल्म 'बहू-बेटी' का एक गीत सबसे पहले याद आता है। माला सिन्हा, अशोक कुमार, जॉय मुखर्जी और मुमताज स्टारर इस फिल्म में आशा भोंसले के गाए गीत 'आज है करवा चौथ सखी री, मांग ले सुख दान' को आज भी याद किया जाता है। इसमें करवा चौथ के पर्व को जिस तरह से उत्सव जैसा दिखाया गया, वह बाद की फिल्मों के लिए नजीर बना। इसके बाद भी कुछ फिल्मों में करवा चौथ से जुड़े गीत या कहानी पर आधारित दृश्यों ने पति के प्रति पत्नी के प्रेम, निष्ठा, समर्पण, त्याग और सम्मान को प्रभावी तरीके से पेश किया जाता रहा है।

वर्ष 1969 में रिलीज हुई फिल्म 'सुहागरात' का गीत 'गंगा मैया में जब तक पानी रहे, मेरे सजना तेरी जिंदगानी रहे', भी दांपत्य प्रेम को बहुत खूबसूरती से प्रकट करता है। इसी तरह वर्ष 1973 में रिलीज हुई फिल्म 'सौदागर' में फूल बानो (पद्मा खन्ना) अपने पति मोती (अमिताभ बच्चन) के लिए जब 'सजना है मुझे सजना के लिए...' गाती हैं तो एक सजी-धजी पत्नी का चेहरा सामने आ जाता है, जो अपने पति को खुशी देने के लिए सजती-संवरती है। भले इसे करवा चौथ से सीधा जोड़ा नहीं जाए पर यह हर करवा चौथ पर उन गीतों में शामिल होता है, जो इस दिन जरूर गाए-गुनगुनाए जाते हैं।

कुछ इसी तरह का एक गाना फिल्म 'गीत गाता चल' का है, जो 51 वर्ष पहले आई थी। 'मैं वही, दर्पण वही, न जाने ये क्या हो गया कि सब कुछ लागे नया-नया..' में सारिका-सचिन की जोड़ी एकदम से भारतीयता में रची-बसी नजर आती है। पूरी तरह लगता है कि दांपत्य प्रेम को समर्पित है यह गीत।

ये फिल्में भी हैं यादगार: करवा चौथ को पूरी तरह से समर्पित फिल्म 'करवा चौथ' 1978 में रामलाल हंस ने बनाई थी, जो इस पर्व के लिए पहली फिल्म मानी जाती है। आशीष कुमार, कामिनी कौशल, आद्या, पद्म चव्हाण, रमेश देव और हेलन ने इसमें अभिनय किया था। उषा मंगेशकर के गाए गीत 'करवा चौथ का व्रत ऐसा', इस मूवी का मुख्य गीत था। इसमें हेलन ने अपनी सखियों के साथ पारंपरिक तौर तरीके से करवा चौथ को सेलिब्रेट किया।



'करवाचौथ का व्रत ऐसा' गीत मे हेलन

करवा चौथ पर दांपत्य प्रेम को प्रभावी तरीके से प्रेजेंट करने वाली दो और फिल्मों का जिक्र किया जा सकता है। ये हैं- 'मांग भरो सजना' और 'सुहागरात'। सन 1980 में जब 'मांग भरो सजना' में पति का दो पत्नियों के बीच में संतुलन बनाने का प्रयास करना, उस दौर में महिलाओं के बीच सर्वाधिक चर्चा का विषय बन गया था। रेखा और मौसमी चटर्जी के किरदारों ने इसमें जीतेंद्र के लिए व्रत रखकर पूरे समर्पण के साथ इस गीत के फिल्मांकन को प्रस्तुत किया है। आशा भोसले तथा लता मंगेशकर की आवाज में गाया यह गीत, 'दीपक मेरे सुहाग का जलता रहे...' आज भी करवा चौथ के अवसर पर विवाहित महिलाएं सुनना पसंद करती हैं।

पति के साथ को समर्पित भावुक गीत: फिल्म 'सुहागरात' का गीत, 'गंगा मैया में जब तक पानी रहे, मेरे सजना तेरी जिंदगानी रहे...' पत्नी का पति के प्रति प्रेम की पराकाष्ठा को दिखाता है। उसका मन सूरज-चांद से भी नहीं भर रहा है तो वह पति की जिंदगानी के लिए उससे आगे निकल जाती है। उसे लगता है कि सूरज चांद तो छिप सकते हैं पर मां गंगा कभी नहीं सूखेंगी और वह उससे अपने पति का जीवन जोड़ देती है। दांपत्य प्रेम की पराकाष्ठा व्यक्त करता है यह गीत।

ये गीत-दृश्य भी हैं दांपत्य को समर्पित: नए दौर की फिल्मों में भी कई गीत ऐसे रचे गए, जिन्होंने दर्शकों को करवा चौथ के प्रति संवेदनशील बनाया और इस पर्व की महत्ता को नया मोड़ दिया। इनमें 'दिल वाले दुल्हनिया ले जाएंगे' का 'घर आ जा परदेसी', 'कभी खुशी कभी गम' का 'बोले चूड़ियां', 'हम दिल दे चुके सनम' का 'चांद छुपा बादल में', 'जख्म' का 'गली में आज चांद निकला' के अतिरिक्त भी कई ऐसे गीत हैं, जो भले ही करवा चौथ का आधार नहीं लेते हों पर इस दिन विवाहित महिलाएं गुनगुनाती नजर आती हैं। हां, 'राजा हिंदुस्तानी' का वह सीन भी इस दिन अवश्य याद आता है, जिसमें करिश्मा कपूर अपने पति के लिए निर्जला व्रत रखती है और एक भावनात्तक मोड़ इसका एंड करता है। ठीक वैसे ही जैसे करवा चौथ पर चांद देखने के बाद पति-पत्नी एक-दूसरे को देखते हुए ऐसे लगते हैं जैसे कह रहे हों सात जन्मों का रिश्ता है हमारा। यहां फिल्म 'बागबान' का जिक्र करना भी जरूरी है। इसमें अमिताभ का किरदार, अपनी पत्नी (हेमा मालिनी) के लिए व्रत रखता है। दोनों एक-दूसरे से दूर रहकर भी दांपत्य के अटूट प्रेम बंधन में जुड़े दिखते हैं। *

पर्व / आर. सी. शर्मा

शरद पूर्णिमा चांदनी रात में भक्ति की दिव्यता



भारतीय सनातन परंपरा में पर्व-त्योहार आत्मा को परमात्मा से जोड़ने वाले आध्यात्मिक सोपान भी होते हैं। इन्हीं पावन पर्वों में शरद पूर्णिमा का विशिष्ट स्थान है। आश्विन मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा को मनाया जाने वाला यह पर्व प्रकृति की अनुपम छटा, चंद्रमा की धवल चांदनी, श्रीकृष्ण की महारास लीला और मां लक्ष्मी की आराधना के कारण विशेष धार्मिक महत्व रखता है।

महारास की दिव्य रात्रि: शरद पूर्णिमा का सर्वाधिक भावपूर्ण आध्यात्मिक संदर्भ भगवान श्रीकृष्ण की महारास लीला से जुड़ा है। श्रीमद्भागवत महापुराण के दशम स्कंद में वर्णित रासपंचाध्याई भगवान के माधुर्य स्वरूप और गोपियों की अनन्य भक्ति का अद्भुत आख्यान प्रस्तुत करती है। शरद ऋतु की निर्मल रात्रि, यमुना का तट, वृंदावन की कुंज गलियां और मुरली की मधुर तान यह समूचा परिवेश भक्ति साहित्य में दिव्यता के अनुपम बिंब के रूप में प्रतिष्ठित है। भागवत परंपरा में रासलीला को लौकिक प्रेम की सीमाओं से ऊपर उठकर ईश्वर के प्रति पूर्ण समर्पण के भाव से देखा जाता है। महारास का आध्यात्मिक मर्म यही है कि जब अहंकार, स्वार्थ और सांसारिक आसक्ति का आवरण हटता है, तब हृदय में अनन्य भक्ति का प्रकाश प्रकट होता है। इस दृष्टि से शरद पूर्णिमा केवल चंद्रदर्शन की रात्रि नहीं बल्कि कृष्णमय चेतना में निमग्न होने का पावन अवसर है। मंदिरों में ठाकुरजी का विशेष श्रृंगार, भजन-कीर्तन और रासलीला के आयोजन इसी भक्तिभाव को साकार करते हैं।

चांदनी में अमृतवर्षा: सनातन धर्म में चंद्रमा को मन का अधिष्ठाता माना गया है। वैदिक एवं पौराणिक परंपराओं में चंद्रदेव की उपासना, सोम की अवधारणा और शीतलता के प्रतीक के रूप में चंद्रमा का विशेष महत्त्व है। शरद पूर्णिमा की रात्रि में आकाश में पूर्ण चंद्रमा अपनी उज्ज्वल आभा बिखेरता है। वर्षा ऋतु के पश्चात निर्मल आकाश और स्वच्छ वातावरण इस प्राकृतिक सौंदर्य को और भी मनोहारी बना देते हैं। लोकमान्यता है कि इस रात्रि चंद्रमा की किरणों से अमृत बरसता है। इसी विश्वास के कारण अनेक घरों में खीर बनाकर खुले आकाश के नीचे चंद्रकिरणों में रखने और अगले दिन उसे प्रसाद रूप में ग्रहण करने की परंपरा प्रचलित है। इस परंपरा में प्रकृति के प्रति कृतज्ञता, पारिवारिक सहभागिता और पवित्र भावना का सुंदर समन्वय दिखाई देता है।

व्रत-पूजन: शरद पूर्णिमा पर श्रद्धालु अपनी पारिवारिक परंपरा और सामर्थ्य के अनुसार व्रत रखते हैं। प्रातः स्नान के उपरांत देवपूजन, इष्टदेव का स्मरण और दान-पुण्य किया जाता है। संध्याकाल में चंद्रदर्शन के पश्चात चंद्रदेव को अर्घ्य अर्पित करने की परंपरा भी अनेक स्थानों पर प्रचलित है। मंदिरों में विशेष भोग, दीपदान, हरिनाम संकीर्तन और धार्मिक प्रवचन आयोजित किए जाते हैं। कहीं श्रीकृष्ण को श्वेत वस्त्रों और पुष्पों से सजाया जाता है, तो कहीं रात्रि में भजन-मंडलियां भक्तिरस का संचार करती हैं। इन समस्त अनुष्ठानों का मूल उद्देश्य अंतःकरण की शुद्धि और ईश्वर के प्रति श्रद्धा का संवर्धन है। *